15 सितंबर 2025

सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बिना प्राक्कलन बोर्ड लगे शुरू हुआ सड़क निर्माण, नगरवासियों ने उठाए सवाल 2

बोले गडकरी... एथेनॉल के कारण ही जिंदा है चीनी उद्योग

किसानों के आत्महत्या में आई है कमी

एजेंसी/पुणे

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पुणे में कहा कि भारत की सभा चीनी उद्योग एथेनॉल की वजह से ही बचा है। उन्होंने किसानों की आत्महत्या के पीछे पानी की कमी को बड़ी वजह बताया और खेती में तकनीक अपनाने पर जोर दिया। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल से न केवल चीनी उद्योग को सहारा मिला है, बल्कि ईंधन आयात का बोझ भी घटेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर एथेनॉल का विकल्प सामने नहीं आता तो गन्ना किसान और चीनी मिलें बड़ी मुश्किल में होतीं। गडकरी ने यह भी कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाना जरूरी है ताकि किसानों को भविष्य में पानी और लागत से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। गडकरी ने महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्या की मुख्य वजह पानी की कमी बताई। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को पर्याप्त पानी मिलता तो उन्हें इतना बड़ा कदम नहीं उठाना पड़ता। इस मौके पर गडकरी ने नाम फाउंडेशन के काम की सराहना की। यह संस्था नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे के नेतृत्व में किसानों के बच्चों और जल संरक्षण के लिए काम करती है।भाजपा नेता गडकरी ने जोर देकर कहा कि खेती में तकनीक को लाना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई प्रयोग पहले से ही शुरू हो चुके हैं। उनका मानना है कि नई तकनीकें ही किसानों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ा सकती हैं। गडकरी ने कहा कि भारत हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करता है। एथेनॉल के इस्तेमाल से इस बोझ को कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गन्ने की पैदावार और चीनी उत्पादन अधिक होने की वजह से चीनी उद्योग संकट में था, लेकिन एथेनॉल ने इसे संभाल लिया।

कांग्रेस का हमला और भाजपा का जवाब : हाल ही में कांग्रेस ने गडकरी पर हितों के टकराव का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दावा किया कि गडकरी एथेनॉल उत्पादन को लेकर आक्रामक लॉबिंग कर रहे हैं क्योंकि उनके दोनों बेटे एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने कहा कि सरकार की नीति से इन कंपनियों को फायदा हुआ। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी की तरह सिर्फ झूठे दावे करती है, जिनके पास कोई सबूत नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक जनहित याचिका खारिज की थी, जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई20) को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि करोड़ों वाहन मालिकों को ऐसी ईंधन का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर बहस छिड़ी रही, जहां कई लोगों ने माइलेज 20 प्रतिशत तक घटने का दावा किया। इससे किसानों का राहत मिलने की पूरी उम्मीद है।

सोशल मीडिया विवाद पर गडकरी का बयान

गडकरी ने सोशल मीडिया पर चल रही बहस को पेड कैंपेन करार दिया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से उन्हें निशाना बनाने की कोशिश है। गडकरी ने स्पष्ट किया कि ई20 को लेकर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और अन्य हितधारकों के बीच साफ-सुथरी सहमति है। उन्होंने दावा किया कि एथेनॉल न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि किसानों और उद्योग दोनों को नया सहारा देता है। आने वाले समय में किसानों का यह काफी राहत देगा। इससे पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा। ऑटोबाइल सेक्टर में तेजी आएगी।

विकसित भारत 2047 के निर्माण में महिलाओं की होगी भूमिका अहम : ओम बिरला

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं नेतृत्व और नई सोच के साथ विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण समिति के सम्मेलन में उन्होंने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को भी याद किया। साथ ही कहा कि भारत ने शुरूआत से ही महिलाओं को वोट, समानता और न्याय का अधिकार दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि देश की महिलाएं अपने नेतृत्व और दृष्टिकोण से 'विकसित भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने यह बात संसद और राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिला सशक्तिकरण समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इस दौरान ओम बिरला ने कहा कि महिलाएं आज देश के विकास में नई सोच के साथ योगदान दे रही हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत कर रही हैं।ओम बिरला ने आगे संविधान निर्माण में भी महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में करीब 15 महिला सदस्य थीं, जिन्होंने संविधान को आकार देने में अहम योगदान दिया। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के कई देशों के विपरीत, भारत ने शुरूआत से ही महिलाओं को वोट देने, समानता और न्याय का अधिकार दिया।

दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का हुआ उद्घाटन

मैं शिव भक्त, जहर निगल लेता हूं: मोदी

एजेंसी/गुवाहाटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे पर थे। उन्होंने दरांग और गोलाघाट के नुमालीगढ़ में 18,500 करोड़ के इन्फ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने दोनों जगहों पर जनसभाएं भी कीं। पीएम ने दरांग में कहा कि जब हमने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया था, तो कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा था कि मोदी, नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निकाल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मुझसे रहा नहीं जाता। नुमालीगढ़ में पीएम ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया गया। आदिवासियों के साथ अन्याय हुआ। हमारा मंत्र नागरिक देवो भवः है। हमारे लिए जनता भगवान है। देश के नागरिकों को असुविधा न हो, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि पीएम शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से सीधा लोकगायक भूपेन हजारिका की विशेष श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए। इसके बाद रात में स्टेट गेस्ट हाउस में ठहरे थे। असम से पहले पीएम ने शनिवार को मिजोरम और मणिपुर में कई विकास परियोजनाओं की शुरूआत की थी। पीएम ने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ यहां चाय बागानों में काम करने वाले भाई और बहनों को भी हो रहा है। उनका हित हमारी प्राथमिकता है। सरकार टी गार्डन में काम करने वाली महिलाओं को मदद दे रही है। उनके स्वास्थ्य, बच्चों की शिक्षा पर हमारा बहुत जोर है। यहां माता और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए भी योजनाएं चला रही है। कांग्रेस के समय इन श्रमिकों को टी कंपनी के भरोसे छोड़ दिया गया था। लेकिन हम उनके घर, बिजली, पानी और स्वास्थ्य की चिंता कर रहे हैं। असम के विकास का दौर शुरू हो चुका है। असम ट्रेड और टूरिज्म का बड़ा सेंटर बनेगा। हम मिलकर नया असम बनाएंगे। विकसित भारत बनाएंगे। पीएम कहा कि जनजाति समाज के साथ तो ऐतिहासिक अन्याय हुआ है। भाजपा उन्हें ठीक करने में जुटी है। हमारा मंत्र नागरिक देवो भवः है। यानी देश के नागरिकों को असुविधा न हो। भटकना न पड़े। लंबे समय तक कांग्रेस के कार्यकाल में गरीबों को ठुकराया और तरसाया गया। पीएम ने आगे कहा कि कांग्रेस का काम एक वर्ग के तुष्टिकरण से हो जाता था। उनको सत्ता मिल जाती थी। लेकिन भाजपा तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण पर जोर देती है। कोई भी गरीब और इलाका पीछे न रहे, हम इसके लिए काम कर रहे हैं। अभी तक असम में 20 लाख से ज्यादा पक्के घर गरीबों को मिल गए हैं। घर-घर नल पहुंचाने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास के प्रयासों के बीच असम के लिए चुनौती भी विकराल होती जा रही है। ये चुनौती है घुसपैठ की। कांग्रेस सरकार ने उन्हें जमीनें दीं। संरक्षण दिया। वोटबैंक के लालच में असम की डेमोग्राफी को बिगाड़ दिया। अब भाजपा सरकार असम के लोगों के साथ मिलकर इस चुनौती का मुकाबला कर रही है। हम घुसपैठियों से आपकी जमीनों को मुक्त करा रहे हैं। जिन आदिवासियों के पास जमीन नहीं है, उन्हें जमीन के पट्टे दे रहे हैं। मैं मिशन वसुंधरा के लिए असम सरकार की प्रशंसा करूंगा। इसके तहत लाखों परिवारों को भी पट्टे दिए जा रहे हैं। पीएम जैसे वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम बना, उज्जैन में महाकाल लोक बना है।

असम अब पोलीप्रोपाइलीन टेक्सटाइल से भी पहचाना जाएगा

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी रोजमर्रा की जिन्दगी में प्लास्टिक से बनी बहुत सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। ये सब बनाने के लिए पोलीप्रोपाइलीन चाहिए। इसके बिना आज जीवन की कल्पना भी मुश्किल है। इसी के आधुनिक प्लांट का उपहार आज आपको मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्लांट से मेक इन असम और मेक इन इंडिया की नींव मजबूत होने जा रही है। जैसे असम गोमोशा, एरी और मुगाशिल के लिए जाना जाता है, उसी तरह असम की पहचान में पोलीप्रोपाइलीन से बना टेक्सटाइल जुड़ने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे असम के सामर्थ्य पर भरोसा है, इसलिए सेमीकंडक्टर मिशन के लिए असम को चुना है। इस विश्वास का कारण भी बहुत बड़ा है। गुलामी के दौर में असम के चाय की इतनी पहचान नहीं थी, लेकिन देखते ही देखते असम की मिट्टी और लोगों ने इसे ग्लोबल ब्रांड बनाया। अब नया दौर आ गया है।

पूर्वोत्तर में कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर 5.8 रही तीव्रता

एजेंसी/गुवाहाटी

भूकंप के झटके बांग्लादेश, नेपाल, भारत, म्यांमार, भूटान और दक्षिण चीन के कई हिस्सों तक पहुंचे। कई स्थानों पर लोग अचानक तेज झटकों से घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झटके कई सेकंड तक महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से बांग्लादेश से लेकर चीन तक लाखों लोग दहशत में आ गए। उन्होंने बताया कि रविवार को देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप रविवार शाम 4.41 बजे आया। इस भूकंप का केंद्र असम के सोनितपुर जिले के ढेकियाजुली से मात्र 16 किलोमीटर दूर उदलगुरी जिले में था। भूकंप की गहराई 5 किमी थी। भूकंप के कारण बंगाल से भूटान तक झटके महसूस किए गए। दिन में होने के कारण लोग घरों में थे। जैसे ही धरती कांपी लोग घरों से बाहर आ गए। अभी तक किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके बांग्लादेश, नेपाल, भारत, म्यांमार, भूटान और दक्षिण चीन के कई हिस्सों तक पहुंचे। कई स्थानों पर लोग अचानक तेज झटकों से घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि झटके कई सेकंड तक महसूस किए गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही असम के शोणितपुर में 3.5 तीव्रता का भूकंप आया था। उससे पहले, इस साल की शुरूआत में तिब्बत और फरवरी में बंगाल की खाड़ी में आए भूकंप से उत्तर बंगाल, सिक्किम, असम और तटीय पश्चिम बंगाल-ओडिशा प्रभावित हुए थे। मार्च में म्यांमार के भूकंप के झटके कोलकाता तक महसूस किए गए थे।

एक ही परिवार के 7 लोगों की दर्दनाक मौत

एजेंसी/जयपुर

जयपुर के वाटिका रिंग रोड पर एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। कार सवार लोग हरिद्वार से अपने परिजनों की अस्थियां विसर्जित करके वापस लौट रहे थे। हादसा अचानक हुआ और कार के पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस टीम और एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची और सभी मृतकों को महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें मृत घोषित किया गया। मृतकों में तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों के नाम रामराज वैष्णव, उनकी पत्नी मधु, बेटा रूद्र, रिश्तेदार कालूराम, उसकी पत्नी सीमा, बेटा रोहित और गजराज हैं। ये सभी फुलियावास केकड़ी और जयपुर के वाटिका इलाके के रहने वाले थे। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस दर्दनाक हादसे से परिवार और आसपास के लोग शोक में डूब गए हैं।

मृतक के आश्रितों को दस-दस लाख रुपये मुआवजा देगी नेपाली सरकार

नेपाल हिंसा में मारे गए लोग शहीद कहलाएंगे: पीएम कार्की

एजेंसी/काठमांडू

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि जेन एफ आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपए का मुआवजा भी दिया जाएगा। नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, इनमें 1 भारतीय महिला भी शामिल है। पीएम कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ। उन्होंने कहा कि मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी। 12 सितंबर को ढट पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं सविता भंडारी नेपाल की पहली महिला अटॉर्नी जनरल बनीं है। नेपाल में पहली बार किसी महिला को अटॉर्नी जनरल बनाया गया है। सीनियर एडवोकेट सविता भंडारी बराल को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने नियुक्त किया। इससे पहले राष्ट्रपति ने अटॉर्नी जनरल रमेश बदाल का इस्तीफा मंजूर किया था। संघर्ष के बाद बाद नेपाल के तीन पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। ऋील्ल-प्रदर्शनकारियों ने 9 सितंबर को इनके घरों को फूंक डाला था। फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बाहर के शहरों जैसे पोखरा में रहना चाहते हैं, ताकि फिर से जेन एफ के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े।वहीं, ढट बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं।

जीवनदायी है रक्तदान और नेत्रदान, सामाजिक जिम्मेवारी का सभी करें निर्वहन - डॉ. मेजर पीके पांडेय

- आई ई एस एम बक्सर की विशेष बैठक में वीरांगनाओं संग 200 पूर्व सैनिकों ने दिखाई एकता
- पूर्व सैनिकों की एकजुटता, नेत्रदान-रक्तदान पर जोर

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमेंट (आई ई एस एम) बक्सर की विशेष बैठक मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शाहाबाद हेल्थ केयर के अध्यक्ष सह बक्सर के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर पी. के. पाण्डेय तथा जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने संयुक्त रूप से की। संचालन लेफ्टिनेंट आर. बी. ओझा ने किया। इस मौके पर जिले के सभी प्रखंड अध्यक्षों समेत लगभग 200 पूर्व सैनिक एवं वीरांगनाओं ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए संगठन की मजबूती का परिचय दिया। बैठक में नेत्रदान सक्षम पखवाड़ा टीम के सचिव अतीश कुमार सिंह एवं प्रमुख दृष्टि प्रकोष्ठ के प्रमुख दिनेश प्रसाद सिंह ने नेत्रदान के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। दोनों अतिथियों का अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। डॉ. मेजर पी. के. पाण्डेय ने रक्तदान और नेत्रदान को जीवनदायी बताते हुए इसे सामाजिक जिम्मेदारी बताया। रक्त वीरों को भी सम्मानित किया गया।

संगठन की ताकत और सहयोग

सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने के लिए संगठन के मुख्य सलाहकार सूबेदार राधा मोहन पासवान ने नाश्ता कराने हेतु चार हजार रुपये की सहयोग राशि दी, जिन्हें सम्मानित किया गया। इस दौरान 11 सैनिकों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। सभी प्रखंड अध्यक्षों ने घर-घर सदस्यता अभियान को युद्ध स्तर पर चलाने की प्रतिबद्धता दोहराई। सैनिकों और वीरांगनाओं द्वारा रखी गई समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन भी पदाधिकारियों ने दिया।

पीसीडीए और अधिकारियों की सराहना

बैठक में उपस्थित सैनिकों ने एक स्वर में पीसीडीए प्रधान नियंत्रक, अधिकारीगण और अधिकारी मनोज सिंह के कार्यों की सराहना की। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने कहा कि आई ई एस एम बक्सर स्वच्छ छवि वाला संगठन है, जो सभी सैनिकों को समान सम्मान देता है। सभा के अंत में भारत माता की जय, वंदे मातरम, जनरल सतवीर सिंह जिंदाबाद, मेजर पी. के. पाण्डेय जिंदाबाद सहित कई नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

सोनवर्षा में किसानों ने निजी खर्च से कराया जाम नाला की सफाई

नावानगर। सोनवर्षा के किसानों ने अपनी धान की फसल को बचाने के लिए अनोखी पहल करते हुए निजी खर्च से नाला की सफाई कराई। जानकारी के अनुसार गांव के ही एक युवक ने अपने जमीन पर घर निर्माण के दौरान नाला में मिट्टी डालकर उसे जाम कर दिया था। इससे सैकड़ों एकड़ खेतों तक सिंचाई का पानी नहीं पहुंच पा रहा था और धान की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। किसानों ने बताया कि इस वर्ष पूर्व में लगातार बारिश होने से खेतों की सिंचाई आसानी से हो जाती थी। लेकिन पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में झमाझम बारिश नहीं होने से खेतों की नमी कम होने लगी। ऐसे में नहर का पानी खेतों तक पहुंचाना जरूरी हो गया। लेकिन नाला जाम होने के कारण पानी की आपूर्ति ठप हो गई थी।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गांव के किसान कलामुद्दीन उर्फ बकत, रिंकू साह, रामजी यादव, टेंगरी तुरहा, जाकिर हुसैन और अंगुली मियां ने मिलकर निजी खर्च से जेसीबी मंगवाकर नाला की सफाई कराई। किसानों का कहना है कि यदि समय पर यह कदम नहीं उठाया जाता तो धान की फसल बर्बाद हो जाती और भारी नुकसान उठाना पड़ता। स्थानीय किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचने के लिए नाला एवं नहरों की नियमित सफाई कराई जाए।

बिना प्राक्कलन बोर्ड लगे शुरू हुआ सड़क निर्माण, नगरवासियों ने उठाए सवाल

- नया थाना मोड़ से शक्तिद्वार तक बन रही सड़क पर राजनीति भी गरमाई, पूर्व राज्य सभा सांसद की बनाई सड़क तोड़कर शुरू हुआ नया काम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर के सबसे व्यस्त और धार्मिक महत्व वाले मार्ग नया थाना मोड़ से शक्तिद्वार तक की सड़क निर्माण का काम रविवार से शुरू हो गया। लेकिन काम की शुरूआत होते ही विवाद खड़ा हो गया है। वजह साफ है प्राक्कलन बोर्ड के अभाव में निर्माण कार्य शुरू होना। आमतौर पर किसी भी विकास कार्य की लागत और तकनीकी विवरण को सार्वजनिक करने के लिए साइट पर प्राक्कलन बोर्ड लगाया जाता है, मगर इस बार ऐसा नहीं हुआ।

इस सड़क के निर्माण की नींव स्थानीय विधायक अजीत कुमार सिंह ने रखी थी। नींव रखते समय भी प्राक्कलन बोर्ड नहीं लगाया गया, मगर तब किसी ने इस पर खास ध्यान नहीं दिया। हालांकि भाजपा नेताओं और कई मंत्रियों ने विधायक द्वारा नींव रखने का विरोध जरूर किया था। अब जब वास्तविक काम शुरू हुआ तो नगरवासी और स्थानीय सामाजिक संगठन खुलकर सवाल उठा रहे हैं।

तीन साल पहले ही हुई थी कालीकरण, फिर भी सड़क जर्जर

नया थाना से शक्तिद्वार तक का यह मार्ग डुमरांव नगर का अहम रास्ता है, जो कई धार्मिक स्थलों से होकर गुजरता है। नगरवासियों का कहना है कि करीब तीन साल पहले इस सड़क का कालीकरण कराया गया था, लेकिन सड़क की गुणवत्ता इतनी खराब रही कि जल्द ही उखड़ गई और पूरी तरह जर्जर हो गई। अब दोबारा पीसीसी सड़क बन रही है, लेकिन लागत राशि कितनी है, गुणवत्ता सुनिश्चित करने का क्या प्रावधान है, इसकी जानकारी किसी को नहीं।

जेई ने भी झाड़ा पल्ला, सोमवार को फाइल देखने की कही बात

जब इस मामले में बुडको के जेई रीतु राज से पूछा गया कि सड़क निर्माण की प्राक्कलित राशि कितनी है, तो उन्होंने साफ कहा कि जानकारी नहीं है, फाइल देखकर सोमवार को बताएंगे।

अब सवाल यह है कि जब तकनीकी अधिकारी को ही लागत का पता नहीं, तो काम की गुणवत्ता और पारदर्शिता की स्थिति क्या होगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

पूर्व सांसद की सड़क तोड़ी जा रही, लोगों ने जताई खुशी

इस मार्ग पर करीब बीस-पच्चीस साल पहले पूर्व राज्यसभा सांसद नागेंद्र नाथ ओझा ने सड़क बनवाई थी। रविवार से जेसीबी लगाकर उस पुरानी सड़क को तोड़ने का काम शुरू हुआ है। नगरवासियों की मांग थी कि जर्जर सड़क पर सीधे ढलाई न हो, बल्कि पहले उसे हटाकर नया निर्माण हो।

नगरवासियों की इस मांग को मान लिया गया और पुराने हिस्से को हटाकर नया काम शुरू किया जा रहा है। इसको लेकर स्थानीय लोग संतुष्ट और खुश नजर आ रहे हैं।

राजनीति का तड़का, जदयू और फुटपाथी संघ ने दी चेतावनी

विवाद केवल तकनीकी और पारदर्शिता तक ही सीमित नहीं है। मामला राजनीति से भी जुड़ गया है। जदयू नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सह फुटपाथी संघ के अध्यक्ष मिंटू हाशमी और बिशोका चंद्र सहित अन्य नेताओं ने साफ चेतावनी दी है कि अगर काम में गड़बड़ी या गलत तरीके से निर्माण हुआ तो इसका खुलकर विरोध किया जाएगा।

उठ रहे है कई सवाल

इस मामले में कई सवाल उठ रहे है, जब काम की लागत और प्राक्कलन राशि सार्वजनिक ही नहीं है तो पारदर्शिता पर सवाल क्यों न उठे। अगर जेई को ही राशि की जानकारी नहीं, तो निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण कौन करेगा। तीन साल पहले हुई सड़क कालीकरण क्यों बेकार हो गई, क्या उस समय भी गुणवत्ता से समझौता हुआ था तथा जनता की मांग पर सड़क उखाड़कर नया काम शुरू हुआ है, लेकिन क्या यह दीर्घकालिक समाधान साबित होगा।

जनता में मिश्रित प्रतिक्रिया

एक ओर नगरवासी खुश हैं कि आखिरकार लंबे समय से जर्जर सड़क के दिन बदलने वाले हैं, तो दूसरी ओर पारदर्शिता की कमी और लागत की अनभिज्ञता को लेकर संदेह भी गहराता जा रहा है। लोगों का कहना है कि विकास कार्य जनता के लिए है, तो उसकी पूरी जानकारी भी जनता के सामने होनी चाहिए। डुमरांव की इस सड़क निर्माण की कहानी सिर्फ ईंट-पत्थर और सीमेंट की नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, राजनीति और जनता के भरोसे की भी है। काम की शुरूआत हो चुकी है, मगर जब तक प्राक्कलन राशि और गुणवत्ता की गारंटी सामने नहीं आती, तब तक नगरवासियों के मन में सवाल बने रहेंगे।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

पत्रकारों को किया सम्मानित, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बताया समाज का दर्पण

केसठ। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। यह निर्णय केवल भाषा का चयन नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत की आत्मा और एकता का प्रतीक था। हिन्दी ने अपनी सरलता, व्यापकता और समृद्ध साहित्यिक परंपरा से देश की विविधता को एक सूत्र में बांधने का काम किया है। हिन्दी दिवस हमें न केवल भाषा का महत्व याद दिलाता है बल्कि राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की भी याद दिलाता है।इसी अवसर पर राजद के वरिष्ठ नेता सह डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने रविवार को अपने आवास पर क्षेत्र के पत्रकारों को सम्मानित कर एक अनोखी मिसाल पेश की। उन्होंने पत्रकारों को कलम और डायरी भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मान को पाकर पत्रकारों में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई। पप्पू यादव ने इस मौके पर कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं और उन्हें लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है। पत्रकार अपनी कलम से जनता की समस्याओं को उजागर कर शासन तक पहुंचाते हैं। ऐसे में हिन्दी दिवस पर पत्रकारों को सम्मानित करना न केवल भाषा के प्रति सम्मान है, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती का भी संदेश है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का कार्य कठिन और जिम्मेदारी से भरा होता है, इसलिए समाज को उनका सम्मान करना चाहिए।सम्मान समारोह में मौजूद पत्रकारों ने पप्पू यादव की इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे न केवल पत्रकारिता को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि युवा पत्रकार भी प्रेरित होंगे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से युवक की मौत, तीन लोग घायल

केटी न्यूज/राजपुर

चौसा-मोहनिया मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के रोहणीभान गांव के पास शनिवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे 18 वर्षीय युवक रोहित कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई।जानकारी के अनुसार रोहणीभान निवासी भुनेश्वर चौधरी का पुत्र रोहित कुमार अपने मित्र धुपन चौधरी (22 वर्ष) के साथ बाइक से सौरी गांव गया था। लौटने के क्रम में स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में रोहित की मौत हो गई,

जबकि धुपन गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान रास्ते से गुजर रहे नीतीश कुमार (20 वर्ष) और स्कॉर्पियो सवार जितेंद्र खरवार भी घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद धुपन और जितेंद्र की स्थिति चिंताजनक होने पर रेफर कर दिया गया। इधर, हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही राजपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी संजय पासवान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक की तलाश जारी है

बक्सर में शोभा देवी के प्रयासों ने बदला माहौल, जनांदोलन में तब्दील हुआ कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर द्वारा शुरू किया गया परिवार लाभ कार्ड अभियान अब केवल एक योजना नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण जनजीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। बक्सर विधानसभा क्षेत्र में इस अभियान की अगुवाई कर रही भावी प्रत्याशी शोभा देवी ने इसे एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। शोभा देवी का अंदाज और कार्यशैली पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग है। वह मंचों और बड़े आयोजनों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि खुद गांव-गांव, गली-गली और घर-घर पहुंच रही हैं। दरवाजे खटखटाकर लोगों से संवाद करना, उन्हें परिवार लाभ कार्ड के फायदे समझाना और तुरंत कार्ड बनवाने में सहयोग करना, ये सब उनकी रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। यही वजह है कि ग्रामीणों में उन्हें लेकर विशेष उत्साह

और भरोसा पैदा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि ह्लनेताओं को चुनाव के समय तो आते देखा, लेकिन सेवाभाव और जुड़ाव के साथ ऐसे प्रयास पहले कभी नहीं दिखे।ह्व यही भावनात्मक रिश्ता शोभा देवी को आम लोगों के बीच अलग पहचान दिला रहा है। चौपालों पर बैठे बुजुर्ग हों या खेतों से लौटती महिलाएं हर जगह उनकी मेहनत की चर्चा हो रही है। इस अभियान के असर से गांवों का नजारा भी बदल गया है। लोग अब खुद आगे आकर परिवार लाभ कार्ड बनवाने में रुचि दिखा रहे हैं। कतारों में खड़े लोग सिर्फ कागजी प्रक्रिया पूरी नहीं कर रहे, बल्कि इस आंदोलन को अपना समर्थन भी दे रहे हैं। विशेष बात यह है कि परिवार लाभ कार्ड सिर्फ एक पहचान-पत्र नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आवश्यकताओं और योजनाओं को जोड़ने वाला साधन माना जा रहा है। यही कारण है कि लोग इसे अपने भविष्य से जोड़कर देख रहे हैं। राजनीतिक हलकों में भी इस अभियान की खूब चर्चा हो रही है। जानकार मानते हैं कि जिस तरह शोभा देवी ने इसे गांव-गांव की आवाज बना दिया है, उससे न केवल जन सुराज की पकड़ मजबूत हुई है, बल्कि ग्रामीण राजनीति का स्वरूप भी बदलता नजर आ रहा है।दरअसल, यह अभियान अब एक सरकारी योजना या संगठनात्मक पहल से आगे बढ़कर जनांदोलन का रूप ले चुका है। बक्सर की गलियों में उठ रही आवाज साफ कहती है कि जनता अब बदलाव चाहती है और इस बदलाव की बागडोर फिलहाल शोभा देवी के हाथों में दिखाई दे रही है।

हिन्दी दिवस पर बक्सर में सजी विचारों की महफिल, प्रबुद्धजनों ने रखे विचार

हिन्दी हमारी संस्कृति और राष्ट्रीय एकता की सशक्त कड़ी है : अपर समाहर्ता

केटी न्यूज/बक्सर

हिन्दी दिवस के अवसर पर रविवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि हिन्दी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा, विचार और राष्ट्रीय एकता की सशक्त कड़ी है। अपर समाहर्ता ने कहा कि बिहार में हिन्दी राजभाषा के रूप में सरकारी कामकाज की आधारभूत भाषा है। इसलिए आवश्यक है कि हम सभी प्रशासनिक कार्यों और दैनिक जीवन में गर्वपूर्वक हिन्दी का प्रयोग करें।

उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे हिन्दी को सम्मान दें, आत्मविश्वास के साथ अपनाएं और नई पीढ़ी तक इसकी शक्ति पहुंचाएं। यही हिन्दी दिवस मनाने का सही उद्देश्य है। उन्होंने जानकारी दी कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया था। तभी से हर वर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान है और बहुभाषी भारत को एक सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम भी। बिहार हिन्दी भाषी राज्य है और 1950 से ही यहां राजभाषा अधिनियम लागू है। राज्य सरकार का दृढ़ निश्चय है कि शासन के सभी स्तरों पर हिन्दी का पूर्ण रूप से प्रयोग किया जाए।

प्रबुद्ध जनों ने भी रखे विचार

कार्यक्रम में मौजूद प्रबुद्ध नागरिकों ने भी हिन्दी की महत्ता पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक धुन लाल प्रेमातुर, पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर, सामाजिक कार्यकर्ता वर्षा पांडेय, एमपी स्कूल के पूर्व प्रधानाध्यापक विजय शंकर मिश्रा, शिक्षक विमल कुमार सिंह, अनुराग मिश्रा, शिक्षिका शमा परवीन, पत्रकार शुभ नारायण पाठक, वूशु खिलाड़ी निधि कुमारी, डॉ. निवास चतुर्वेदी, डॉ. रासबिहारी शर्मा, शिक्षिका सावित्री सिंह, अनीता सिंह, डॉ. विमलेश कुमार सिंह, धनंजय कुमार और हेमंत चौबे समेत अन्य ने हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सामान्य शाखा प्रभारी एवं वरीय उप समाहर्ता आदित्य कुमार ने व पंचायती राज पदाधिकारी विद्यानाथ पासवान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता सहित सामान्य शाखा के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का वातावरण हिन्दी की महिमा और उसके गौरवगान से सराबोर रहा।

एक करोड़ से अधिक राशि का विचलन, डुमरांव विधायक ने स्थापना डीपीओ पर बोला हमला, सजा की मांग

■ फर्स्ट आइडिया मामले के बाद अब नया आरोप, विधायक बोले सरकार भ्रष्ट अफसरों को संरक्षण दे रही है

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शिक्षा विभाग में एक और बड़ा भ्रष्टाचार का मामला सुर्खियों में है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) विष्णुकांत राय पर सरकारी राशि के विचलन का गंभीर आरोप लगा है। यह आरोप तिलक राय के हाता गांव निवासी आजाद गिरी ने जिलाधिकारी व शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों को लिखे पत्र में लगाए हैं। गिरी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में जीर्णोद्धार, शौचालय मरम्मत और अतिरिक्त वर्गकक्ष निर्माण जैसे कार्यों के नाम पर संवेदकों को मिलने वाली राशि को नियम विरुद्ध उनके सरकारी खाते में पार्क कर दिया गया।इस मामले में अब राजनीति भी गरमा गई है। डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने इस पूरे प्रकरण को ह्लराज्य सरकार की मिलीभगत से चल रहा संगठित भ्रष्टाचारह्व करार देते हुए डीपीओ (स्थापना) पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने केटी न्यूज से बात करते हुए कहा कि जीर्णोद्धार, शौचालय मरम्मत और अन्य कार्यों की राशि को संवेदकों के खाते में भेजने की जगह सरकारी खाते में पार्क करना सीधे-सीधे भ्रष्टाचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक करोड़ रुपए से अधिक का यह विचलन मजदूरों और संवेदकों के हक पर डाका है। विधायक ने कहा कि स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय पर पहले भी तथाकथित माफियाओं अजय सिंह व अरविंद सिंह से मिलीभगत के आरोप लग चुके हैं। जांच लंबित रहने के बावजूद इन्होंने दोषपूर्ण एजेंसी फर्स्ट आइडिया को 40 लाख रुपए से अधिक का भुगतान किया। विधायक ने कहा कि इसे मैने दिशा की बैठक में उठाया था, बावजूद जिलाधिकारी द्वारा अभी तक कार्रवाई नहीं किया गया है। जिससे यह साफ है कि ऐसे अफसरों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है। प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है और न ही तबादले के बाद विभाग इन्हें यहां से हटा रहा है। यह सरकारी धन का खुला बंदरबांट है।

आंदोलन की चेतावनी

विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि अगर दोषी अधिकारी पर तुरंत कार्रवाई नहीं की गई तो वे मजदूरों और संवेदकों के साथ सड़क पर उतर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि गरीब मजदूरों का हक मारा जा रहा है, संवेदकों का भुगतान रोककर मनमानी की जा रही है। जबकि चहेते संवेदकों व एजेंसियों को माफियाओं के सह पर भुगतान कर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो हम चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। बक्सर की जनता को न्याय दिलाकर रहेंगे। विधायक ने कहा कि माले के रहते मजदूरों की हकमारी नहीं होने दी जाएगी।

विभागीय लापरवाही पर सवाल

बता दें कि स्थापना डीपीओ पर आरोप है कि सिर्फ 24 मार्च 2024 को ही 42 कार्यों से जुड़ी 1 करोड़ 8 लाख 21 हजार रुपए से अधिक की राशि को संवेदकों के खाते में ह्लपेड एंड कैंसिल्डह्व दिखाया गया, जबकि वास्तविकता में पैसा सीधे डीपीओ के सरकारी खाते में डाल दिया गया। महालेखाकार पटना और शिक्षा विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि राशि का दोहरीकरण या विचलन नहीं होना चाहिए, बावजूद इसके नियमों की अनदेखी की गई।

पहले भी विवादों में रहे हैं विष्णुकांत राय

यह पहला मौका नहीं है जब विष्णुकांत राय विवादों में आए हों। उन पर पहले भी तथाकथित शिक्षा माफिया अजय सिंह को लाभ पहुंचाने और जांच लंबित रहते हुए हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को भुगतान कराने का आरोप लग चुका है। इतना ही नहीं, उनकी शिक्षिका पत्नी का निलंबन हटते ही बिना फेस ऐप के हाजिरी की जांच किए समस्त बकाए का भुगतान कर दिया गया, जबकि इसी तरह के अन्य मामलों में फाइलें महीनों तक अटकी रहती हैं।

अफसरशाही हावी, माफिया मालामाल

विधायक डॉ. सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग में लगातार हो रहे घोटाले, नियमों को दरकिनार करने तथा मनमाने कार्यों से इस बात का प्रमाण हैं कि बिहार सरकार की मंशा साफ नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में अफसरशाही पूरी तरह हावी है। सरकारी धन का दुरुपयोग कर माफिया मालामाल हो रहे हैं और गरीब जनता को उसका हक नहीं मिल पा रहा। विधायक ने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील विभाग में ऐसे भ्रष्टाचार का होना बेहद शर्मनाक है।

कार्रवाई की मांग और जनता की नाराजगी

दूसरी तरफ आजाद गिरी और स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और यह देखा जाए कि कितनी राशि अब तक अटकी हुई है और किसे लाभ पहुंचाने के लिए नियम विरुद्ध तरीके से पैसा पार्क किया गया। जनता का कहना है कि अगर शिक्षा विभाग जैसे अहम विभाग में बार-बार भ्रष्टाचार उजागर होता रहेगा और प्रशासन चुप्पी साधे रहेगा तो इसका खामियाजा बच्चों और विद्यालयों को भुगतना पड़ेगा।

अब निगाहें डीएम पर

आरोप और बयानबाजी के बीच अब पूरा बक्सर जिला इस बात पर निगाहें गड़ाए बैठा है कि जिलाधिकारी इस गंभीर मामले पर क्या कदम उठाते हैं। सवाल यह है कि क्या विष्णुकांत राय पर विभागीय जांच बैठाई जाएगी या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। हालांकि, डुमरांव विधायक के तेवर दिखाने के बाद अब इतना तो साफ हो गया है कि इस मामले को जिला प्रशासन आसानी से नहीं दबा पाएगा।

डुमरांव में समरसता भोज, रवि उज्ज्वल कुशवाहा बोले, हवा-हवाई नेता अब नहीं चलेंगे

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा के भावी प्रत्याशी रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने डुमरांव प्रखंड के नुआंव पंचायत के अनुसूचित जाति टोला में समरसता भोज का आयोजन कर चुनावी सरगर्मी को तेज कर दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव पूरी तरह से जनता के जागरूक फैसले पर आधारित होगा। जनता अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है। कुशवाहा ने साफ शब्दों में कहा कि अनुसूचित जाति, पिछड़ा, अति पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज अब पूरी तरह गोलबंद है। हवा-हवाई नेता अब नहीं चलेंगे। चुनाव नजदीक आते ही क्षेत्र की चिंता जताने वाले और चुनाव खत्म होते ही आत्मा की तरह गायब हो जाने वाले नेताओं का खेल खत्म हो चुका है। जनता अब सब समझ चुकी है और 90 प्रतिशत मतदाता जाग चुके हैं। भ्रम फैलाने वाले सावधान हो जाएं, उनकी दाल अब नहीं गलने वाली है। नुआंव पंचायत के अनुसूचित जाति टोला में आयोजित इस भोज में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भोज के बहाने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और सद्भाव का संदेश देने की कोशिश की गई। स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाया।

चुनावी रणनीति का इशारा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समरसता भोज के जरिए रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने न केवल सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि वे जातीय समीकरणों को साधने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहते। अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्गों को एक मंच पर लाने की कवायद उनके चुनावी अभियान की अहम कड़ी मानी जा रही है।

जनता से किया सीधा संवाद

भोज के दौरान रवि उज्ज्वल ने ग्रामीणों से सीधा संवाद भी किया और उनकी समस्याओं को सुना। लोगों ने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी, बेरोजगारी और विकास कार्यों की धीमी गति पर अपनी बातें रखीं। रवि ने भरोसा दिलाया कि जनता के विश्वास और समर्थन से डुमरांव विधानसभा में सकारात्मक बदलाव की नई शुरूआत होगी।

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़ा एवं हर घर संपर्क अभियान की तैयारी

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) को सेवा पखवाड़ा एवं हर घर संपर्क अभियान के रूप में मनाने की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। इसी कड़ी में बक्सर नगर पश्चिम मंडल की बैठक नगर अध्यक्ष अजय वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन नगर उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री अंजय चौबे ने किया। बैठक में नगर अध्यक्ष अजय वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से देश की आम जनता लाभान्वित हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं को जीविका के माध्यम से रोजगार शुरू करने हेतु 10 हजार रुपये की सहायता राशि दिए जाने की सराहना की। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं। नगर प्रभारी सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष निर्भय राय ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चुनावी शंखनाद हो चुका है और कभी भी तारीखों की घोषणा हो सकती है। ऐसे में सभी कार्यकताओं को हर घर अभियान के तहत मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करना होगा। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान जनता को केंद्र सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराना ही संगठन का मुख्य उद्देश्य है। बैठक में भोजपुर प्रभारी राजेश सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह, बीएलए-1 संयोजक मदन दुबे, विस्तारक राकेश गुप्ता, भरत प्रधान, प्रमोद मिश्रा, श्रीमन नारायण तिवारी, राहुल दुबे, नगर महामंत्री पवन चौरसिया, नगर उपाध्यक्ष गोरखनाथ वर्मा, मनीष चौबे, राजेश पांडे, अंजू रावत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर सभी ने आगामी सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने का संकल्प लिया और हर घर संपर्क अभियान को गति देने पर जोर दिया।

भारतीय जनता पार्टी डुमराव ग्रामीण मंडल द्वारा नोनिया पूरा में एकदिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

डुमरांव। भारतीय जनता पार्टी डुमरांव ग्रामीण मंडल के तत्वावधान में आज सोवा पंचायत के नोनिया पूरा गांव में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पार्टी की नीतियों और केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्नंदजी भारती ने की, जबकि संचालन युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष श्री शेरु सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं युवा उपस्थित रहे, जिनमें उत्साह और जागरूकता देखने को मिली। इस अवसर पर केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे वृद्धावस्था पेंशन योजना जिसे 400 से बढ़ाकर 1100 पेंशन दी जा रही है, 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना जीएसटी में छूट से आम लोगों को राहत मिल रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को दी जा रही आर्थिक सहायता सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि इन योजनाओं से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सीधा लाभ मिल रहा है, और यही मोदी सरकार की अंत्योदयह्व की संकल्पना को साकार कर रहा है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए युवा भाजपा नेता दीपक यादव ने कहा की आज केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार है, जिसने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। अब जनता को काम करने वाली सरकारों पर भरोसा है। बिहार में चरवाहा विद्यालय की बजाय युवाओं को मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता है। एनडीए की सरकार युवाओं की आकांक्षाओं की पूरी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज बिहार विकास की नई दिशा की ओर अग्रसर है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ लें और समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से सुमन पाठक, लालबाबू प्रसाद, विश्वेश्वर राय, अभिषेक रंजन, लल्लू सिंह, गौरी शंकर चौबे, विजय यादव, नथुनी प्रसाद नोनिया, आशुतोष पांडेय भिखारी प्रसाद बारी सहित कई स्थानीय नेता एवं ग्रामीण जन शामिल रहे। कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मंडल अध्यक्ष श्नंदजी भारती ने सभी आगंतुकों, वक्ताओं और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहेंगे।

तीन सौ मीटर के भीतर हाईमास्ट लगाने का मामला पकड़ा तूल

डुमरांव । नियम के विरूद्ध हाईमास्ट लाइट लगाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नियम के विरूद्ध हाईमास्ट लाइट लगाने की शिकायत एसडीओ राकेश कुमार से की गई थी। शिकायत पर एसडीओ ने तीन सदस्यीय टीम गठित करते हुए जांच कराया था। जांच टीम ने हाईमास्ट लाइट को तीन मीटर के भीतर पाया जो नियम का सरासर उल्लंघन है। फिर उसमें इस बात को दशार्या गया था कि लोगों के डिमांड पर सौ मीटर के दायरे पर हाईमास्ट लाइट लगाया गया है। अब यहां यह सवाल उठता है कि लोगों के डिमांड पूरा करने के लिये नियम-कानून को ताक पर रख कर काम कराया जाएगा। लोगों का कहना है कि नियम के विरूद्ध एक हाईमास्ट लगाया जा सकता है, लेकिन तीन नहीं न लग सकता है। इधर सरकारी राशि का दुरूपयोग करने में शिकायतकर्ता का कहना है कि इसमें जेई, सहायक अभियंता, ईओ, वार्ड पार्षद तक दोषी हैं। यदि इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो सरकारी राशि का दुरूपयोग का मामला बनाते हुए मानवाधिकार तक शिकायत की जाएगी। हालोकि नगर विकास विभाग के निदेशक से लेकर मुख्यमंत्री तक इसकी शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि अपना दोष छिपाने के लिये वार्ड पार्षद वार्ड में घुम-घुम लोगों से हस्ताक्षर करा रहे हैं कि हमलोगों के द्वारा हाईमास्ट लगाने की मांग की गई थी। बहरहाल आगे जो भी हो, लेकिन जांच में यह साबित हो चुका है कि तीन हाईमास्ट लाइट तीन सौ मीटर के दायरे के भीतर लगाए गए हैं, जो नियम के विरूद्ध हैं।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी, 15 सितंबर है अंतिम तिथि

- बक्सर के नन्हे वैज्ञानिकों की उड़ान, टॉप टेन में शामिल है बक्सर
- अब तक लगभग 2000 इन्नोवेटिव आइडियाज किए जा चुके है अपलोड

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में इस बार विशेष उत्साह देखा जा रहा है। वर्ग 6 से 12 तक के विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और विज्ञान शिक्षकों को सक्रिय कर दिया गया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा) चंदन कुमार द्विवेदी ने विधिवत पत्र जारी कर विद्यालयों को समय पर इन्नोवेटिव आइडियाज अपलोड करने की अपील की है। 15 सितंबर 2025 तक विचार प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तय की गई है।

बक्सर जिला इस योजना में लगातार अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है। प्रखंड स्तर पर शिक्षा पदाधिकारियों और विद्यालयों के बीच समन्वय स्थापित होने से इस बार भी बेहतर परिणाम की उम्मीद है। पिछले वर्ष जिले के 69 नन्हे वैज्ञानिकों को भारत सरकार ने चयनित कर 10-10 हजार की प्रोत्साहन राशि सीधे बैंक खाते में भेजी थी। यही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी बक्सर ने अपनी अलग पहचान बनाई थी। इस बार भी बक्सर जिला टॉप टेन में है तथा आठवे नंबर पर काबिज है।

इस बार जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कार्यालय की ऑनलाइन जागरूकता मुहिम रंग ला रही है। अब तक लगभग 2000 इन्नोवेटिव आइडियाज अपलोड किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि राज्य सरकार द्वारा दिए गए लक्ष्य का करीब 75 प्रतिशत है, जिससे बक्सर को सम्मानजनक स्थान मिलने की पूरी संभावना है। --

- शिक्षकों का सहयोग और प्रेरणा

योजना को धरातल पर उतारने में जिले के विज्ञान शिक्षकों ने भी बढ़-चढ़कर भूमिका निभाई है। डॉ. मनीष कुमार शशि, प्रमोद कुमार चौबे, सुरेंद्र सिंह, धनंजय मिश्रा, अनीता यादव, शिल्पम, विजयलक्ष्मी पटेल, नफीस नाज, सुगंध दुबे और विकास कुमार समेत अन्य शिक्षकों ने इसे नन्हे वैज्ञानिकों के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी पहल बताया है। उनका कहना है कि अभिभावक, प्रधानाध्यापक और शिक्षक मिलकर इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि हर प्रखंड के बच्चे नवाचार की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

सरकार ने बक्सर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान और पुणे में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर विज्ञान शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। इससे शिक्षकों को छात्रों के विचारों को आकार देने और उन्हें प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तुत करने में सुविधा मिली है।

नन्हे वैज्ञानिकों की तलाश जारी

संभाग प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने जिले के सभी शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों में छिपे वैज्ञानिक कौशल को पहचानने और उसे सामने लाने में सहयोग करें। वहीं, शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने बताया कि बक्सर की धरती ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएं दी हैं और इस बार भी यहां के नन्हे वैज्ञानिक देश का नाम रोशन करेंगे। इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के जरिये बक्सर जिले के हजारों बच्चे विज्ञान की दुनिया में कदम रख रहे हैं। नवाचार के प्रति यह उत्साह आने वाले दिनों में न सिर्फ जिले की, बल्कि पूरे राज्य की पहचान को नया आयाम देगा।

आरा परिसदन में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जीएसटी सुधार पर एक प्रेस वार्ता

जीविका दीदियों के साथ प्रवासी महिला ने बैठक कर सरकार के योजनाओं की दी जानकारी

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद के वार्ड 21के धारुपुर गांव स्थित काली मंदिर परिसर में जीविका दीदियों की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रवासी महिला सह राजस्थान प्रांत की भाजपा प्रदेश महामंत्री मधु कुमावत ने की। बैठक में बड़ी संख्या में जीविका दीदियों के साथ-साथ भाजपा महिला मोर्चा की कई पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पूर्व जिला पार्षद अध्यक्ष एमएस गंधा, भाजपा महिला मोर्चा रोहतास जिलाध्यक्ष पूनम सिंह,भाजपा महिला मोर्चा जिला प्रवक्ता कंचन सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

अपने संबोधन में प्रवासी महिला मधु कुमावत ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विस्तार से साझा की।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश भर में महिलाओं,किसानों, गरीबों और युवाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें उज्ज्वला योजना,जनधन योजना, आयुष्मान भारत,प्रधानमंत्री आवास योजना तथा जीविका और स्वयं सहायता समूह को सशक्त बनाने वाली योजनाएं प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। वहीं अन्य वक्ताओं ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए गए कार्यों की भी चर्चा की।

वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाएं न केवल घर-परिवार बल्कि समाज और राजनीति में भी अपनी मजबूत भूमिका निभा रही हैं। बैठक में जीविका दीदियों ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और योजनाओं का लाभ कैसे अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचाया जाय,इस पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपने गांव-समाज में जागरूकता फैलाकर अन्य महिलाओं को भी योजनाओं से जोड़ेंगी। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन और भारत माता की जयघोष के साथ हुआ।

ऑपरेशन के बाद प्रसूता की मौत परिजन ने किया जमकर हंगामा

केटी न्यूज/आरा

शहर के टाउन थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल परिसर के लेबर वार्ड में ऑपरेशन के दो दिन बाद प्रसूता की मौत हो गयी. इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया. प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया. सूचना पाकर टाउन थाने की पेट्रोलिंग टीम सदर अस्पताल पहुंची और मृतका के परिजनों को समझा-बूझाकर उन्हें शांत कराया. जानकारी के अनुसार मृतका बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के गायघाट गांव निवासी हरेराम पाठक की 30 वर्षीया पत्नी निशा देवी है. इधर, मृतका के पति हरेराम पाठक ने बताया कि वह बाहर रहकर प्राइवेट गाड़ी चलाता है. उसका ससुराल बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया गांव में है. उसकी पत्नी गर्भवती थी. जिसको

लेकर वह अपने मायके बिहिया आयी हुई थी. आठ सितंबर को वह और उसके ससुराल वाले उसकी पत्नी का प्रसव कराने के लिए सदर अस्पताल ले आये. सदर अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उन्हें चार दिनों तक इधर-उधर दौड़ाया गया. चार दिन दौड़ने के बाद 12 सितंबर को उसकी पत्नी का ऑपरेशन किया गया और उसे बेटा पैदा हुआ. इसके बाद 12 तारीख की रात जब उसे दिक्कत हुई और वह मौजूद ऑन ड्यूटी महिला चिकित्सक के पास आया, तो वह लेबर वार्ड में जाकर मेरी पत्नी को डांट फटकार लगायी. उसने बताया कि दो दिनों से मैं अपनी पत्नी को लेकर यहां भर्ती था, लेकिन यहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मी एवं चिकित्सक को उसे काफी दिक्कत है उसके द्वारा बताये जाने के बाद भी ध्यान नहीं दिया गया. रविवार की सुबह जब उसकी मौत हो गयी, तो यहां मौजूद डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उसे रेफर कर दिया गया. वहीं, दूसरी तरफ मृतका के पति हरेराम पाठक ने 12 सितंबर को ऑपरेशन करने वाली डॉक्टर व रविवार को मौजूद ऑन ड्यूटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मियों पर इलाज में लापरवाही बरतने के कारण अपनी पत्नी की मौत होने का आरोप लगाया है. इसके अलावे मृतका के पति हरेराम पाठक द्वारा डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मियों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर सिविल सर्जन को लिखित आवेदन भी दिया है. वहीं, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ राजीव कुमार ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में आया है. मामले की जांच की जा रही है. जांच उपरांत इस मामले में जो भी दोषी होंगे, उन पर सख्त कार्रवाई की जायेगी. बताया जाता है कि निशा की शादी वर्ष 2013 में हुई थी. उसे नौ वर्ष की पुत्री सिमरन पाठक है. घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर खगड़िया निवासी युवक की मौत

रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रविवार की सुबह संपूर्ण क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर खगड़िया निवासी एक युवक की मौत हो गयी. इलाज के दौरान सदर अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा. जानकारी के अनुसार मृतक खगड़िया जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर अलौली गांव निवासी बंधु यादव का 35 वर्षीय पुत्र रामदुलार यादव है. वह दिल्ली में रहकर राइस मिल का ठेका लेकर धान कुटवाने का काम करता था. इधर, मृतक के साथ लौट रहे उसके मित्र अमित कुमार उर्फ कुंदन ने बताया कि वह दोनों शनिवार को नयी दिल्ली से संपूर्ण क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन पर सवार होकर वापस पटना लौट रहे थे. इसी क्रम में वह जनरल बोगी में था, जबकि उसका दोस्त रामदुलार यादव स्लीपर बोगी में सवार था. उसी दौरान आरा स्टेशन पर ट्रेन दुर्घटना में उसकी मौत हो गयी. सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे।

भ्रष्टाचार : नोखा नगर परिषद में सफाई के नाम पर हो रही राशि लूट का लोगों ने खोली पोल

- **आगामी चुनाव में नगर परिषद के भ्रष्टाचारियों जनता करेगी क्लीन बोल्ड**

केटी न्यूज/रोहतास

नोखा (रोहतास) रोहतास जिले के नोखा नगर परिषद में सफाई के नाम पर हो रही खाना पूर्ति से सभी वार्डो के लोगों में रोष व्याप्त है। जिसको लेकर नगर परिषद के सभी 25 वार्डो में सफाई के नाम पर एनजीओ द्वारा वार्ड सदस्य से लेकर नगर परिषद के जनप्रतिनिधि और कर्मियों की मिलीभगत से अवैध कमीशन खोरी राशि के नाम पर लाखों रुपए के लूट पाट का खेल-खेला जा रहा है। जिस भ्रष्टाचार के कारण अब नगर परिषद नोखा की विकास केवल कागजों में ही सिमट कर रह गई हैं। जिसका जीता जगता मिसाल है कि नगर परिषद में हर माह विकास हो रहा है अधूरा, लेकिन फर्जी विकास कार्य को दिखा हर माह सरकार से विकास राशि का निकासी हो रहा पूरा। दूसरी तरफ इस पर चिंता व्यक्त करते हुए नगर

परिषद नोखा के पूर्व चेयरमैन पम्मी वर्मा के प्रतिनिधि सह समाज सेवी विजय सेठ ने बताया कि नगर में सफाई के नाम पर हर माह करीब 40 लाख रुपए एनजीओ को राज्य सरकार द्वारा आवंटन की जाती हैं। लेकिन स्थिति यह है कि वह राशि नगर की जनता विकास कार्य में लगा के भ्रष्टाचार की भेट चढ़ जाती हैं। जिसमें नगर परिषद के जनप्रतिनिधि सहित नगर कर्मियों का भी अहम योगदान होता हैं। जिसकी गहराई से जांच की जाए तो सभी संलिप्त भ्रष्टाचारियों की पोल खुल जायेगी। जबकि समाजसेवी रमेश चौहान ने बताया नगर परिषद में विकास केवल एक दिखावा है। जिसके आड़ में सफाई से लेकर विभिन्न विकास कार्य के नाम पर एनजीओ सहित नगर कर्मचारी केवल भ्रष्टाचार करने का मंशा बना रखा है।

जिसका जवाब नगर परिषद की जनता आगामी चुनाव में चेयरमैन, उप चेयरमैन सहित वार्डो सदस्यों को देने के लिए कमर कस चुकी हैं। क्योंकि नगर परिषद की भोली भाली जनता भी इनके विकास कार्य के भ्रष्टाचार की कहानी जान चुकी।

प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन पर होगा दौड़ प्रतियोगिता

केटी न्यूज/रोहतास

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वे जन्मदिन के मौके पर अंबेडकर सेवा समिति के बैनर तले 17 सितंबर 2025 को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी समिति के अध्यक्ष अभय विश्वास भट्ट, सचिव यशवन्त नारायण, क्रिकेट एकेडमी के कुमार विजय, तीरंदाजी एकेडमी के नीरज सिंह, भाजपा नेता नरेंद्र सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र शुक्ला,राजेश साहू,सुनील चौधरी, योगेंद्र पांडेय ने स्थानीय एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में दी । समिति के सचिव यशवन्त नारायण ने बताया की पुरुष एवं महिला दो वर्ग में तीन प्रतियोगिता होगा। जिसमें पुरुष वर्ग का दौड़ 5 किलोमीटर का जो बामपाली से शुरू होकर स्टेडियम गेट तक, दूसरा 1600 मीटर का रमना मैदान के चारो तरफ और तीसरा महिला वर्ग का 1600 मीटर का ही रमना मैदान के चारो तरफ होगा। प्रतियोगिता की शुरूआत 5 बजे सुबह से होगा। अध्यक्ष अभय विश्वास भट्ट ने बताया कि इसमें भाग लेने वाले सभी धावक अपना निःशुल्क नाम उसी दिन लिखवा सकते है। तीनो वर्ग में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय आने वालों को नगद राशि एवं मोमेंटो दी जाएगी वही टॉप टेन आने वाले को विशेष उपहार दिया जाएगा। क्रिकेट एकेडमी के कुमार विजय ने बताया कि यह खुला प्रतियोगिता है इसमें हर जगह से धावक भाग ले सकते है। इन्होंने बताया कि अभी तक बिहार एवं उत्तर प्रदेश के धावक की आने की सूचना मिली है। तीरंदाजी एकेडमी के कोच नीरज सिंह ने कहा कि इस प्रतियोगिता के लिए जर जगह पत्र भेजा जा रहा है वही सोशल मीडिया से भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

गोपाल नारायण विश्वविद्यालय में प्रारंभ हुई राष्ट्रीय सीबीएसई कबड्डी खेल प्रतियोगिता

केटी न्यूज/रोहतास

डेहरी (रोहतास) नारायण वर्ल्ड स्कूल के आतिथ्य में गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय,जमुहार खेल परिसर में कल से प्रारंभ हुई राष्ट्रीय सी बी एस ई कबड्डी खेल प्रतियोगिता अब धीरे-धीरे अपने रंग में आने लगा है। कल शाम और आज दोपहर में खेले गए विभिन्न प्रतिस्पर्धा के परिणाम आने के बाद अब क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल की स्थिति दिखने लगी है। सीबीएसई के खेल पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षकों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार अंडर-19 वर्ग में खेले गए पहले मैच में नारायण वर्ल्ड स्कूल, जमुहार ने सरस्वती पब्लिक स्कूल मेरठ को 11 अंकों से मात देकर जीत दर्ज की है। जबकि एनजीडी पब्लिक

स्कूल सोलन एवं पीपी सावनी चैतन्य विद्या संकुल के बीच हुए मैच में एन जी डी पब्लिक स्कूल हिमाचल प्रदेश ने 21 के मुकाबले 47 अंक से जीत दर्ज किया ।तीसरे मैच में वेलामल विद्यालय मोगापैर, तमिलनाडु की टीम ने कलिंगा इंस्टिट्यूट स्कूल खुरदा ,उड़ीसा को 27-10 से हराया। अन्य मैच में यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल बबुरी चंदौली और डी पी एस बैंगलोर ईस्ट के बीच में मुकाबले में उत्तर प्रदेश चंदौली की टीम विजय रही ।एक दूसरे मैच में जोसेफ एंड मैरी पब्लिक स्कूल उत्तर प्रदेश एवं श्री प्रकाश विद्या निकेतन आंध्र प्रदेश के बीच हुए मैच में आंध्र प्रदेश की टीम 40-27 से विजय रही जबकि प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरदोई एवं प्रताप सिंह विद्यालय हरियाणा के बीच हुए मुकाबले में हरियाणा की टीम 41-15 से जीत हासिल किया। अंडर 17 वर्ग में खेले गए मैच में एस बीआईओए पब्लिक स्कूल कोचीन ,केरल एवं सतनाम विद्या मंदिर कामराज सूरत गुजरात के बीच हुए मैच में गुजरात की टीम विजय रही जबकि माउंटेन स्कूल बिहटा बिहार एवं केवीएम ग्लोबल सेकेंडरी स्कूल हरियाणा के बीच हुए कांटे की टक्कर में हरियाणा की टीम 35 - 32 से जीत दर्ज की। अंडर 14 बालक वर्ग में दो मैच हुए जिसके पहले मैच में कौसमोनौट इंटरनेशनल स्कूल सिरसा हरियाणा एवं कर्नाटक की मारथा मंडल विद्यालय के बीच मैच खेला गया इसमें इंटरनेशनल स्कूल हरियाणा 52-16 से जीत दर्ज की जबकि दूसरे मैच में भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी ,उत्तर प्रदेश एवं डॉक्टर साइरस पुनावाला,पुणे के बीच हुए मैच में पुणे की टीम 64-50 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता शुरू होने के पूर्व गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं उनकी हौसला आफजाई की।

एक नजर

जितिया पर्व पर संतान की दीघार्यु उम्र के लिए मां ने मांगी दुआएं

सासाराम के नहर में सैकड़ों व्रतियों ने लगाया आस्था की डुबकी

सासाराम । संतान की सुख-समृद्धि के लिये रखे जाने वाले जितिया व्रत को लेकर महिला श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु सासाराम के लालगंज नहर में स्नान करने के लिए पहुंचीं। उन्होंने स्नान के बाद गंगा स्वरूप नदी के रूप में पूजा-अर्चना की। जबकि अपने संतान की दीघार्यु के लिए आशीर्वाद मांगा। इस जितिया पर्व पूजन पर बिक्रामगंज चित्रगुप्त कॉलोनी निवासी व्रती गुड़िया देवी, नंदनी देवी, प्रीति, सारिका देवी, रितिका देवी ने कहा कि ऐसी मान्यता है कि जितिया व्रत करने से संतान की आयु में वृद्धि होती है और उनके रोग दोष दूर हो जाते हैं। यह पर्व आश्विन महीने में कृष्ण पक्ष के सातवें से नौवें चंद्र दिवस तक तीन दिन के लिए मनाया जाता है। इस व्रत के पहले दिन महिलाएं सुबह सूर्योदय से पहले जागकर स्नान करके पूजा करती हैं, फिर एक बार भोजन ग्रहण करती है। उसके बाद पूरे दिन निर्जला रहती हैं। दूसरे दिन सुबह स्नान के बाद महिलाएं पूजा-पाठ कर फिर निर्जला व्रत रखती हैं व तीसरे दिन इसका पारण करती हैं। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद महिलाएं अन्न-जल ग्रहण कर सकती हैं। इस व्रत में गंगा स्नान का खास महत्व माना जाता है। वही स्नान करने पहुंची सैकडो महिलाएं ने बताया कि यहां जिला नगर प्रशासन सासाराम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं किया गया था। नाही कोई महिला सिपाही और ना ही एनडीआरएफ के टीम को नहर नदी में देखा गया। जिससे दुर्घटना होने की महिलाओं में भय व्याप्त था।

संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने हथियार के साथ किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज। नगर परिषद बिक्रमगंज के तेंदुनी चौक पर शनिवार रात पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रात्रि गश्त के दौरान करीब 11:30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस अधिकारी सुशीला सिंह के नेतृत्व में टीम ने सशस्त्र बल की मदद से आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम नीरज कुमार बताया। वह शिवपुर का रहने वाला है और 18 वर्ष का है। तलाशी के दौरान नीरज के जींस की पेटी से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। हथियार में कोई गोली नहीं मिली। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि आरोपी से भागने का कारण पूछा गया, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। रविवार को पूछताछ के बाद नीरज को जेल भेज दिया गया। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। पुलिस को आरोपी के पास से देशी कट्टे के अलावा कोई अन्य आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली।

मां तुतला भवानी पहुंचे थाईलैंड के विदेशी पर्यटक ईको-पर्यटन स्थल के हुए मुरीद

रोहतास । जिले का गौरवशाली मां तुतला भवानी ईको-पर्यटन स्थल अब अंतरराष्ट्रीय पहचान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार को थाईलैंड से विशेष रूप से आए पर्यटक इस प्राकृतिक स्थल की भव्यता और हरियाली देखकर इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने कहाझ्रहमने दुनिया के कई देशों में नेचर टूरिज्म देखा है, लेकिन यहां जैसी शांति और पवित्रता कहीं नहीं मिली। यह जगह वाकई धरती का स्वर्ग है। पर्यटकों ने मां तुतला भवानी के दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद लिया और परिसर की।हरियाली,झरनों व प्राकृतिक गुफाओं का आनंद उठाया। वे यहाँ की संस्कृति, ग्रामीण आतिथ्य और आध्यात्मिक वातावरण से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधि दीपक चौधरी जी को अपने देश की करेंसी भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। इस मौके पर स्थानीय लोगों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। उनका कहना है कि विदेशी पर्यटकों का आगमन यहां की पहचान को नई ऊँचाई देगा और भविष्य में यह स्थल अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा। मां तुतला भवानी धाम का प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था अब न सिर्फ बिहार और भारत,बल्कि पूरी दुनिया के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने लगा है।

दुर्गा पूजा में पंडालों के लिए अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेना होगा जरूरी

सासाराम। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सासाराम के अंतर्गत आने वाले अवर प्रमंडल बिक्रमगंज, कोचस, सासाराम शहरी व सासाराम ग्रामीण क्षेत्र मे दुर्गा पूजा पंडालों के लिए विद्युत विभाग अस्थाई बिजली कनेक्शन दे रहा है। शहर और ग्रामीण इलाकों में जितने भी पूजा पंडाल बनेंगे वहां बिजली व्यवस्था को पूजा शुरू होने से पहले ही दुरुस्त कर दिया जाएगा। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम के द्वारा बताया गया की शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों मे पूजा पंडाल टीम अपने भार के अनुसार बिजली कनेक्शन ले सकते हैं। उन्होंने बताया की बिजली कंपनी के कर्मियों को फीडर, एलटी लाइन और ट्रांसफार्मरों की पूरी तरह जांच कर मरम्मत करने का निर्देश दिया गया है ताकि पूजा के दौरान तार टूटने, सप्लाई बंद होने की संभावना नहीं रहे। पूजा पंडालों में अस्थाई कनेक्शन के लिए पूजा समिति को विद्युत सब डिवीजन में आवेदन देना होगा। यदि पंडालों के समीप या किसी जगह पर फॉल्ट आता है तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा, इसके लिए भी विद्युत विभाग के द्वारा तैयारी पूर्ण कर ली गयी है। इस संबंध में कहना है कि दुगापूर्जा पंडालों के कमिटी संबंधित अवर प्रमंडल से संपर्क स्थापित कर अस्थायी कनेक्शन ले लें व बिना कनेक्शन बिजली जलाने पर कार्रवाई की जा सकती है। इसके लिए उन्हें अस्थायी बिजली कनेक्शन लेना होगा।

स्पेशल पीपी एवं एपीपी की जल्द होगी जिले में बहाली : आनंद कुमार

सासाराम। रोहतास जिले में विशेष अधिनियम से जुड़े न्यायालयों में विशेष लोक अभियोजक एवं जिला जज न्यायालयों में अपर लोक अभियोजक के पदों पर बिहार सरकार द्वारा अतिशीघ्र बहाली की जाएगी। उक्त बातें शनिवार को डेहरी अनुमंडल व्यवहार न्यायालय में आयोजित अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता दल यूनाइटेड विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह सदस्य धार्मिक न्याय परिषद, बिहार सरकार आनंद कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि डेहरी अनुमंडल न्यायालय में जल्द ही बिक्रमगंज के तर्ज पर सत्र वादों के संचालन हेतु जिला जज के न्यायालय को लाने की बात सरकार से चल रही है। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित अधिवक्ताओं के समस्याओं को सुना एवं उन्हें जल्द से जल्द दूर कराने हेतु सरकार को अवगत कराने की बात कही। शनिवार को देर शाम अनुमंडलीय न्यायालय डेहरी पहुंचे जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आनंद कुमार का स्थानीय अनुमंडल अध्यक्ष अंगेश कुमार सिंह की अगुवाई में भव्य स्वागत किया गया। मौके पर रोहतास जिला जदयू विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उपेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष मुनमुन पांडेय,।

बाढ़ के पानी में डूबने से बच्चे की मौत

आरा। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव स्थित सूर्य मंदिर के समीप शनिवार की सुबह बाढ़ के पानी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गयी. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही. जानकारी के अनुसार मृत किशोर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के श्रीनगर भकुरा गांव निवासी कमलेश कुमार प्रसाद का 10 वर्षीय पुत्र रवि किशन कुमार है. वह छठी कक्षा का छात्र था. इधर, मृत किशोर के पिता कमलेश कुमार प्रसाद ने बताया कि पर शनिवार की सुबह ट्यूशन पढ़ने के लिए साइकिल से घर से निकला था. इसी बीच वह अपने दोस्तों के साथ बसंतपुर सूर्य मंदिर के समीप बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान डूब गया. वहां मौजूद लोगों द्वारा उसे पानी से बाहर निकाला गया. इसके बाद परिजन उसे सदर अस्पताल ले आये।

शिक्षकों की कमी और पीएचडी छात्रों की समस्याओं को लेकर दिया कड़ा निर्देश

राज्यपाल ने किया पूर्णिया विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण

एजेंसी/पूर्णिया

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्णिया विश्वविद्यालय का अचानक दौरा किया और शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षकों की कमी और पीएचडी छात्रों की समस्याओं को लेकर कड़ा निर्देश दिया। बिहार के राज्यपाल और कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्णिया विश्वविद्यालय का अचानक दौरा कर सभी को चौंका दिया। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही पूर्णिया पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे विश्वविद्यालय परिसर का रुख किया और कामकाज का जायजा लिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में कुलपति प्रोफेसर विवेकानंद सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। बैठक में विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे। प्रेस से बात करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के आगमन के प्रोटोकॉल के तहत पूर्णिया आए हैं। इसी दौरान उन्हें विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने का अवसर मिला, जहां उन्होंने शिक्षा के स्तर में सुधार पर जोर दिया। जब पत्रकारों ने विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया, तो राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि यदि शिक्षकों की कमी है तो मेरे आने का इंतजार मत कीजिए। आप सीधे जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षा के विस्तार और संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए उनके स्तर पर जो भी संभव होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने कुलपति को भी निर्देश दिया कि वे छात्रों की समस्याओं, खासकर पीएचडी की पढ़ाई से जुड़ी दिक्कतों पर तुरंत ध्यान दें।

बिहार में दर्दनाक हादसा : स्कूल से बिना सूचना निकले तीन छात्र नहर में डूबे, तीनों की मौत

एजेंसी/पटना

बिहार के मोतिहारी जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जब सरकारी विद्यालय के तीन छात्र नहर में डूब गए और उनकी मौत हो गई। यह हादसा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बलिरामा गांव से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, कक्षा 8 में पढ़ने वाले तीन छात्र पढ़ाई के दौरान बिना किसी शिक्षक की रोक-टोक के स्कूल से निकलकर छौड़ादानोझआदापुर नहर मार्ग पर स्थित 72 आरडी पुल के पास त्रिवेणी कैनाल में स्नान करने चले गए। स्नान के दौरान अचानक एक छात्र गहरे पानी में डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में अन्य दो छात्र भी बहाव में बह गए और देखते ही देखते तीनों बच्चे डूब गए। नहर किनारे से गुजर रहे राहगीरों ने बच्चों को डूबते देखा और शोर मचाया। आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े और काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को बाहर निकाला गया। सभी की हालत गंभीर थी। दो छात्रों को छौड़ादानो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। तीसरे छात्र को मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन वहाँ भी उसे मृत घोषित कर दिया गया। डूबकर जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान छौड़ादानो थाना क्षेत्र के भेलवा निवासी रमेश प्रसाद के 13 वर्षीय बेटे अर्जुन कुमार उर्फ गोलू, भेलवा गांव के ही प्रेम महतो के 14 साल के बेटे लक्ष्मण कुमार उर्फ छोटू और आदापुर थाना क्षेत्र के बलिरामा निवासी प्रेम साह के 13 साल के बेटे के रूप में हुई है।

मुंगेर को 180 करोड़ की सौगात

ललन सिंह और सम्राट चौधरी ने 327 योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

एजेंसी/मुंगेर

मुंगेर के बरियारपुर प्रखंड में 7.69 करोड़ की लागत से बने 30 शैय्या वाले नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन रविवार को केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रिमोट और फीता काटकर किया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण कार्य, ऊर्जा, नगर विकास एवं आवास और पंचायती राज विभाग से जुड़ी कुल 327 योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया। इनमें 83 योजनाओं का उद्घाटन और 244 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इन पर करीब 17,976 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बरियारपुर में बने इस स्वास्थ्य केंद्र में अब विभिन्न प्रकार की जांचें होंगी और मरीजों को 254 तरह की दवाइयां मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे स्थानीय लोगों को इलाज और जांच के लिए मुंगेर शहर नहीं जाना पड़ेगा। ललन सिंह ने बताया कि जमालपुर औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से मदर डेयरी का मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया जाएगा। इसके लिए मदर डेयरी को 14 एकड़ जमीन दी गई है। यह यूनिट मुंगेर, बांका, भागलपुर, लखीसराय और जमुई जिले के किसानों से दूध एकत्र करेगी। गांव-गांव में सहकारी समितियां बनाई जाएंगी। यहां से दूध एकत्र कर विभिन्न डेयरी उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा, एक बायोगैस प्लांट भी लगाया जाएगा, जिसके लिए किसानों से गोबर खरीदा जाएगा।

विकास योजनाओं पर उप मुख्यमंत्री का बयान

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अक्टूबर के पहले सप्ताह में मरीन ड्राइव निर्माण कार्य और लगभग 4000 करोड़ रुपये की अन्य योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुंगेर से होकर गुजरने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे सहित कई हाईवे प्रोजेक्ट पर तेजी से काम चल रहा है। इसके अलावा मोकामा से मुंगेर एक्सप्रेस-वे को स्वीकृति मिल चुकी है। इसमें मोकामा से सूर्यगढ़ा तक फोर लेन और सूर्यगढ़ा से मुंगेर तक सिक्स लेन सड़क बनाई जाएगी। हल्दिया-रक्सौल सड़क को भी सिक्स लेन किया जाएगा।

कार्यक्रम में मौजूद रहे कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी

इस मौके पर भाजपा विधायक प्रणव कुमार यादव, तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह, प्रमंडलीय आयुक्त अवनीश कुमार सिंह, जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पीणीकर, एसपी सैयद इमरान मसूद, सिविल सर्जन डॉ. रामप्रवेश सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उद्घाटन को देखते हुए जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

बिहार सरकार की बड़ी कार्रवाई 12 अधिकारियों को किया सस्पेंड

एजेंसी/पटना

बिहार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने जन वितरण प्रणाली के तहत खराब गुणवत्ता वाले खाद्यान्न की आपूर्ति के मामले में कड़ा एक्शन लिया है। विभाग ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर राज्य खाद्य निगम के 6 सहायक प्रबंधकों और 6 गुणवत्ता नियंत्रकों को सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई गंभीर अनियमितताओं के मद्देनजर की गई है।इससे पहले विभाग ने 6 आपूर्ति निरीक्षकों / प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को भी निलंबित किया था। साथ ही, 27 आपूर्ति निरीक्षकों और 7 सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच में यह सामने आया कि कई दुकानों में खाद्यान्न की कमी, निम्न गुणवत्ता, और स्टॉक में गड़बड़ी पाई गई थी। राज्यभर में चल रहे "जीरो ऑफिस डे" अभियान के तहत पीडीएस दुकानों का गहन निरीक्षण किया जा रहा है। अब तक कुल 53,869 में से 49,209 दुकानों का निरीक्षण पूरा किया गया है। निरीक्षण में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। जिसके बाद 10,735 दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।वहीं निरीक्षण के दौरान 1,349 दुकानों में कम वजन की शिकायतें मिलीं। 1,230 दुकानों में खराब गुणवत्ता वाला अनाज पाए गए। वहीं 4,428 दुकानों में अनाज वितरण न होने की शिकायत मिली है।

पटना में सड़क हादसे में बीजेपी नेता की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

एजेंसी/पटना

पटना के पालीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अकुंरी गांव के पास एनएच-139 मुख्य पथ पर एक अज्ञात अनियंत्रित डंपर ने भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत फरार हो गया, जिसके विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्य सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, श्रीनिवास शर्मा अपनी बाइक से भूमि से संबंधित कागजात लेकर पालीगंज अंचल कार्यालय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अकुंरी धर्मकांटा के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में श्रीनिवास शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल अवस्था में उन्हें तुरंत पालीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए और एनएच-139 को जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

बिहार के कई राज्य से जमकर हो रही एके-47 की तस्करी, कई जिलों में सबसे ज्यादा डिमांड

एजेंसी/पटना

बिहार में अपराध की दुनिया में हथियारों की तस्करी एक पुरानी समस्या रही है, लेकिन हाल के खुलासों ने यह साफ किया है कि आज भी यह तस्करी धरल्ले से हो रही है। बिहार पुलिस और एनआईए की संयुक्त जांच में सामने आया है कि पूर्वोत्तर राज्यों से एके-47 जैसी घातक हथियारों की बड़े पैमाने पर तस्करी बिहार में हो रही है, नागालैंड इनमें टॉप पर है। म्यांमार की सीमा से सटे इलाकों के रास्ते ये हथियार सस्ते में खरीदे जाते हैं और बिहार पहुंचते-पहुंचते इनकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है। वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण जैसे जिलों में इनकी खरीद-बिक्री का बड़ा नेटवर्क सक्रिय है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है। मई 2024 में मुजफ्फरपुर से शुरू हुई जांच ने पूरे रैकेट को उजागर कर दिया था और अब चार आरोपियों पर चार्जशीट दाखिल भी हो चुकी है। मुजफ्फरपुर में ही इस नेटवर्क को पहला बड़ा झटका लगा था। मई 2024 में स्थानीय पुलिस ने रेलवे स्टेशन से विकास कुमार और सत्यम कुमार को गिरफ्तार किया, जिनके पास एके-47 का बट और स्कोप बरामद हुआ। जांच में पता चला कि विकास ने गोपालगंज के अहमद अंसारी से यह हथियार खरीदा था जो नागालैंड के दीमापुर से सप्लाई होता था। तीन दिन बाद अंसारी को दीमापुर से पकड़ा गया, उसके पास मोबाइल और वॉकी-टॉकी भी मिले। एनआईए ने अगस्त 2024 में केस अपने हाथ में लिया और हाल ही में 29 अगस्त को मंजूर खान उर्फ बाबू भाई को गिरफ्तार किया।

बर्खास्त संविदा कर्मियों की वापसी प्रक्रिया तेज, 1575 ने की अपील, 235 को मिली स्वीकृति

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय) द्वारा हड़ताली विशेष सर्वेक्षण कर्मियों को अपील अभ्यावेदन का अवसर देने की पहल का असर दिखने लगा है। विभाग की ओर से अपील दाखिल करने के लिए जारी की गई ईमेल आईडी appealdlrs@gmail.com पर अबतक 1575 कर्मियों ने अपनी सेवा में पुनर्बहाली हेतु अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है और यह सिलसिला जारी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इनमें से 235 अपीलों को स्वीकृति भी दी जा चुकी है। साथ ही 3321 संविदा कर्मी पहले ही हड़ताल छोड़कर कार्य पर वापस लौट चुके हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इच्छुक संविदा कर्मी कार्यालय अवधि में विभाग के पटना स्थित कार्यालय में सीधे आकर या निर्धारित ई-मेल पते पर ऑनलाइन माध्यम से भी अपील दाखिल कर सकते हैं।

छपरा में सम्राट चौधरी ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा का किया अनावरण, आनंद मोहन समेत कई नेताओं ने भरी हुंकार

एजेंसी/छपरा

छपरा के मांझी प्रखंड के दाउदपुर में बनी महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण करने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज छपरा के दाउदपुर पहुंचे। जहां उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के पीतल और कास्य से निर्मित भव्य आदमकद प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित किया।इस दौरान हजारों कार्यकर्ता और राजपूत समाज के लोग इकट्ठा हुए। वहीं भारी बारिश के बीच लोग डिप्टी सीएम के इंतजार में खड़े थे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आनंद मोहन शामिल हुए। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने जिस तरह घास खाकर और कड़ी मेहनत करके अंग्रेजों के साथ लड़ाइयों को लड़ा और समाज के लिए वो लड़ते रहे। हमें उनसे यह सिख मिलती है कि अपने स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं करना चाहिए।वहीं चेतन आनंद ने सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह की रिहाई की मांग को और ज्यादा मजबूत करने की जनता से आग्रह किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रणधीर सिंह ने कहा कि हमारे समाज को जागरूक और एकजुट होने की आवश्यकता है। जिस मौके पर महिपाल सिंह मकराना राष्ट्रीय अध्यक्ष करनी सेना, अंशुमन मोहन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, शेर सिंह राणा संस्थापक राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी , भाजपा नेता हरिमोहन सिंह गुड्डु, गौतम सिंह पूर्व मंत्री बिहार सरकार ,रणधीर सिंह पूर्व विधायक छपरा ,भाजपा नेता राहुल राज साथ ही साथ हजारों लोग मौजूद रहे ।

सुभाषितम्

मेरे विचार से विद्धवानो के पत्र मानव के समस्त कथनो से श्रेष्ठ हैं। - फ्रांसिस बेकन

इस तबाही का जिम्मेदार महज मानसून तो नहीं

एक बहुप्रचलित कहावत जो सच भी है, कि विज्ञान वह अमृत है जिससे विकास और विनाश दोनों संभव हैं। दरअसल विज्ञान और तकनीक के सहारे मानव जीवन को बेहतर बनाने से लेकर समाज को आगे बढ़ाने तक का काम किया जा सकता है, लेकिन इसी ज्ञान का दुरुपयोग विनाशकारी परिणामों को जन्म देने वाला साबित हो सकता है। इस तरह विज्ञान खुद में अच्छा या बुरा नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसा शक्तिशाली उपकरण है जिसका उपयोग तय करता है कि विकास होगा कि विनाश। सही दिशा में किया जाने वाला उपयोग मानवता के लिए वरदान साबित होता है, लेकिन इसका दुरुपयोग मानव समाज के लिए विनाश का कारण बन जाता है। यहां यह सब इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि इस मानसून जो तबाही का मंजर सामने आया है, उसने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कहीं हम विकास के नाम पर विनाश को दावत तो नहीं दे रहे हैं। यह सच है कि इस साल भारत में मानसून में जमकर बारिश हुई है। इस सीजन यानी 1 जून से 2 सितंबर तक 780.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य बारिश 721.1 मिमी से 8 फीसदी अधिक है। इस बीच पहाड़ी क्षेत्रों में जो बादल फटने की घटनाएं हुईं उसमें जान-माल को खासा नुक्सान हुआ है। इससे हटकर भारी बारिश ने पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आदि राज्यों में कहर बरपाया है। बाढ़ से राजधानी दिल्ली तक अछूती नहीं रही, यहां अगस्त में ही इतनी बारिश हो गई कि एक दशक का रिकॉर्ड टूट गया। यही नहीं बल्कि उत्तर भारत में बारिश ने अगस्त 2025 में 1901 के बाद 13वां सबसे उच्चतम रिकॉर्ड बनाया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार संपूर्ण देश में 28 अगस्त से 3 सितंबर के बीच औसत से 48 फीसदी अधिक बारिश दर्ज हुई है। यह तो रही आंकड़ों की बात लेकिन बारिश के दौरान जो जन-धन की हानि हुई वह एक अलग ही कहानी कहती नजर आ रही है। पंजाब के सभी जिले बाढ़ की चपेट में आए, जिससे हाहाकार मच गया। 1900 से ज्यादा गांव त्राहिमाम करते किसी तरह अपने अस्तित्व को बचाते दिखे हैं। इस बारिश और बाढ़ जनित घटनाओं में करीब 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों एकड़ की फसल बर्बाद हो गई। वहीं हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में भी बारिश ने तबाही ला दी, जिससे हाहाकार मचा हुआ है। हिमाचल में भारी तबाही के बीच 1200 से ज्यादा सड़कें टूट गईं, जिससे कई इलाकों का संपर्क कट गया। इन सब से मंडी, कुल्लू, शिमला, सिरमौर, चंबा जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इस मानसून की बारिश के कारण हिमाचल का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह हिल गया। बारिश के दौरान हुए भूस्खलन से कई लोगों की मौत हो गई, तो गांव के गांव पूरी तरह से तबाह हो गए। बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत पूर्वी भारत में भी बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया हुआ है। अब चारों ओर राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हैं। अब सवाल यह उठ रहा कि मानसून में बारिश होना कोई नई बात तो नहीं है, लेकिन लगातार जान-माल को नुक्सान को आंकड़ा क्यों बड़ रहा है? इसके लिए सिर्फ बारिश को दोषी ठहरा देना उचित नहीं होगा, बल्कि मानव के दुस्साहसिक कार्यों पर भी नजर डालनी होगी। यह देखना होगा कि हम हरे-भरे जंगलों को किस निर्दयता के साथ काटकर कंकरीट के जंगल खड़े कर रहे हैं। नदी-नालों को खत्म करने के लिए उनके तटबंधों को खत्म कर उनके अंदर तक इंसानी पैठ बना रहे हैं। रही सही कसर तब पूरी हो जाती है, जबकि विकास और सुविधाओं के नाम पर पृथ्वी की अंदरुनी सतह को खोखला करने से कोई पीछे नजर नहीं आता है। तेल-पानी, गैस और तरह-तरह के खनिज निकालने के नाम पर धरती को खोखला कर दिया जा रहा है। ऐसे में प्रकृति स्वयं संतुलन नहीं बनाएगी तो क्या करेगी?

चिंतन-मनन

जीवन एक क्रिकेट मैच

प्रतिकारी संत तरुणसागरजी ने क्रिकेट की व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन एक क्रिकेट है, धरती की विराट पिच पर समय बॉलिंग कर रहा है। शरीर बल्लेबाज है, परमात्मा के इस आयोजन पर अम्पायर धर्मराज हैं। बीमारियाँ फील्डिंग कर रही हैं, विकेटकीपर यमराज हैं, प्राण हमारा विकेट है, जीवन एक क्रिकेट है। इस डे-नाइट मैच में हमें रचनात्मकता के जलवे दिखाने हैं और साँसों के सीमित ओवर में सृजन के रन बनाने हैं। गिल्लियाँ उड़ने का अर्थ साँस का टूट जाना है, एलबीडब्ल्यू यानी हार्ट-अटैक। दुर्घटना में मरने वाला रन आउट कहलाता है और सीमा पर शहीद होने वाला कैच आउट कहा जाता है। आत्महत्या का अर्थ हिट विकेट और हत्या स्टम्प आउट हो जाना है। कभी-कभी कुछ आग्रामक खिलाड़ी जल्दी ही पैवेलियन लौट जाते हैं, लेकिन पारी ऐसी खेलते हैं कि कीर्तिमान बना जाते हैं, सबका अपना-अपना रन रेट है, जीवन एक क्रिकेट है। घर आए अतिथि को भोजन के लिए पूछ करो, भोजन के लिए नहीं पूछ सकते तो पानी के लिए पूछ करो, पानी का नहीं पूछ सकते हैं तो बैठने के लिए आसन दिया करो। बैठने के लिए आसन भी नहीं दे सकते तो दो मीठे बोल बोला करो। दो मीठे बोल नहीं बोल सकते, मुस्कुराहट भी नहीं दे सकते तो चुल्लू भर पानी में डूब मरो। उक्त प्रेरक विचार उन्होंने प्रवचनमाला में व्यक्त किए। हाथों में मोबाइल हो न हो, चेहरे पर स्माइल हर हाल में होना चाहिए। आदमी स्मार्ट मोबाइल से नहीं, मुस्कुराहट से बनता है। हँसना पुण्य है और हँसाना परमपुण्य है। जब आप हँसते हैं तो आप ईश्वर की आराधना करते हैं। जब आप किसी रोते हुए को हँसाते हो तो ईश्वर आपकी आराधना करता है। दुनिया के सामने रोने की आवश्यकता नहीं है। जब पाँच सेकंड मुस्कुराने से फोटो अच्छी आ सकती है तो जिंदगी भर मुस्कुराने से जिंदगी क्यों नहीं अच्छी हो सकती। राजनीतिक लोग पार्टियाँ बदल लेते हैं, बैनर बदल लेते हैं, भाषण बदल जाता है, टोपी बदल जाती है, लेकिन टोपी के नीचे जो खोपड़ी है वही नहीं बदलती।

हिन्दी भारतीय संस्कृति व सभ्यता को समायी हुई है

- संजय गोस्वामी

हिन्दी देश की एकता की कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है। इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहते है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है। हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। हिन्दी एक व्यापक भाषा है, जो सम्पूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें सम्पूर्ण भारत एक साथ बोलता है। इसके एक-एक शब्द के उच्चारण में हमारी आत्मा, हमारी संस्कृति समाई हुई है। भारतीय संस्कृति को जीवित रखने के महान उद्देश्य का दृष्टिगत रखते हुए मनीषियों ने हिन्दी को प्रतिनिधि भाषा घोषित करने में भारत का और अपना गौरव समझा है। यह निर्विवाद सत्य भी है कि जिस दिन हिन्दी व्यावहारिक रूप में प्रतिनिधि भाषा का रूप धारण कर लेगी और अंग्रेजी का मोह भंग हो जायेगा, उस दिन हमारा देश भाषा के दृष्टिकोण से एक हो जायेगा, विज्ञान के क्षेत्र में अंग्रेजी का कार्य अनायास ही समाप्त हो जायेगा। हिन्दी देश की एकता की

कड़ी है। हिन्दी सहज, सरल एवं सम्पूर्ण भाषा है, पर्याप्त शब्द कोष है। इसमें हमारी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य है, भरपूर-साहित्य है, जिसके संवाद अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। हिन्दी ने अपनी मौलिकता एवं सुबोधता के बल पर ही राष्ट्र की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को जीवन्त बनाए रखा है सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बंधा महसूस कराते रहते है एवं अनेकता में एकता के दर्शन कराती है। हिन्दी के द्वारा ही सारे देश को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है। भारत एक ग्रामीण देश है और इसकी अधिकतर जनसंख्या ग्रामीण इलाकों से तालुक रखती है। भारत में सभी अंग्रेजी नहीं जानते इसलिए भारत में आपको किसी से भी बात करनी हो या फिर संवाद करना हो तो आपको पहले हिंदी का ज्ञान होना ही चाहिए। यह एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हम अपनी भावनाओं को बहुत ही सरल तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देश के सबसे बड़े भू-भाग में बोली जाने वाली राष्ट्रभाषा हिन्दी के कारण ही भारत विश्व में अपनी महानता बनाये हुए है। इसमें भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की वह सुगन्ध समायी हुई है, जिसके आकर्षण में सम्पूर्ण विश्व सुख-शान्ति का अनुभव करता है।पश्चिमी देशों में ऐसे अनेक साहित्यकार हुए है, जिन्होंने वहाँ निष्ठापूर्वक अध्ययन, मनन, चिन्तन किया है। अब हिन्दी केवल बोल चाल या साहित्य की भाषा नही रह गई। टिप्पण प्रारूपण, प्रतिवेदन, आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन,निविदा, पृष्ठांकन, पदनाम, विभागों के नाम सचाचार-पत्रों, आकाशवाणी और दृश्यमाध्यम से आम-आदमी की जुबान पर आ गए हैं। ये शब्द अंग्रेजी नोटिंग, ड्राटिंग, रिपोर्ट, ऑर्डर,, तथा रिमाइंडर-शब्द के पर्याय हैं। आज ये शब्द हिन्दी के और अपने से लगते हैं। ह्य भारत की प्राचीन विशाल सांस्कृतिक परम्परा की ज्योति ने ही उन्हें सार्वभौमिक मूल्यों की और जाग्रत किया है। अंग्रेजी ज्ञान के अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं के जरिये की है। आज जापान, कोरिया और चीन जैसे उदाहरण हमारे सामने है, जिन्होंने अपनी प्रगति अपनी भाषाओं में की है। वह कहते थे कि भाषा ;अंग्रेजी ज्ञान के चक्कर में विद्यार्थी विषय ज्ञान में पारंगत नहीं हो पाते, इसलिए वे भाषा ज्ञान की तुलना में विषय ज्ञान को महत्व देते है ।अनेक विदेशी विद्वानों ने भारतीय ग्रन्थों का अपनी भाषा में अनुवाद कर भारत की अमूल्य सांस्कृतिक, साहित्यिक धरोहर को विश्व के समक्ष रखा है तथा पाठ्यक्रम में स्थान दिलाया है। हिंदी को संस्कृत की बड़ी बेटी का दर्जा प्राप्त है। हिंदी बहुत ही सरल भाषा है जिससे हर कोई सिखकर इसका प्रयोग कर सकता है। यह सिखने में बहुत ही आसान है। हिंदी को सिखने के लिए आपको अधिक खर्चे करने की भी जरूरत नहीं है, इस मात्र कुछ किताबों के मदद से सिखा जा सकता है। हिंदी भाषा का प्रयोग भारत के लोग अपने बचपन से करना शुरू कर देते है। हमारे देश में ऐसे बहुत से लोग है जिनको हिंदी की जानकारी होते हुए भी अन्य भाषओं का प्रयोग करते हैं क्योंकि उनको लगता है कि हिंदी बोलने से उनके चरित्र पर सवाल उठेंगे। ये सोच रखने वाले हिंदी को अधिक महत्व नहीं देते लेकिन उनको यह जानकारी होनी चाहिए कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे सिखने के लिए लोग लाखों रुपये खर्च करके भारत आते है। हिंदी के महत्व को जानने के लिए यही मात्र काफी है। अतः हम सभी अपनी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा हिन्दी को पूर्णतः अपनाकर राष्ट्र का गौरव बढ़ायें। गर्व से कह सके कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है, जिसमें विश्वबन्धुत्व की भावना कूट-कूटकर भरी है और इसका गौरवशाली इतिहास रहा है। हमारी एक ही भाषा ह्यहिन्दीह्ण है। हमारे पास प्रचुर संसाधन हैं तथा मानव संसाधन की दृष्टि से भी भारत अग्रणी है। अतः आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में राष्ट्रभाषा की भूमिका महत्वपूर्ण है। जनभाषाओं का राजभाषा के साथ सा तालमेल, सहयोग होना चाहिए।हिंदी एक ऐसी भाषा है जो सभी धर्मों के लोगों को जोड़े रखने का काम करती है। यह सिर्फ एक भाषा का काम ही नहीं करती, यह एक देश की संस्कृती, वेशभूषा, रहन सहन, पहचान आदि है। हमारे में से कई लोग ऐसी भी है जो यह मानते है कि वह हिंदी नहीं सीखेंगे फिर भी उनका काम बन जायेगा। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि भारत में हर व्यक्ति अन्य भाषाओं को मुख्य भाषा के रूप में प्रयोग में नहीं ला सकता है। लेकिन हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसकी मदद से हर भारतीय आसानी से आपस में समझ सकते हैं। भारत की आत्मा के रूप में प्रचलित हिंदी देश के सभी भूभागों में वृहद् स्तर पर बोली जाती है। देश की राजभाषा के रूप में स्थापित हिंदी ने देश के विभिन राज्यों के बीच महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य किया है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी देश के सभी भूभाग के निवासियों को एक साथ लाकर स्वतंत्रता आंदोलन को गति देने में हिंदी की महती भूमिका है। देश की सीमाओं के बाहर वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए प्रतिवर्ष विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को मनाये जाने वाले हिंदी दिवस के माध्यम से हिंदी के वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार के लिए व्यापक प्रयत्न किए जाते है। आज देश में विभिन राज्यों में विभिन भाषाओ को बोलने वाले देशवासी रहते है। हालांकि यदि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी एवं असम से लेकर गुजरात तक किसी भाषा का सबसे प्रचलित प्रयोग मिलता है तो वह निसंदेह ही हिंदी भाषा है। देश के प्राचीन इतिहास से लेकर स्वतंत्रता संग्राम एवं आधुनिक समय तक हिंदी ने देश के कोने-कोने से सभी निवासियों के मध्य सेतु के रूप में कार्य किया है।

नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर

- विनोद कुमार सिंह

नमो भारत दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है। नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है। यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय,तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है।प्रधान मंत्री का नये भारत का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है। भारत आज जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसका सबसे स्पष्ट प्रमाण हमें देश के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों में देखने को मिलता है। सड़कें, पुल, मेट्रो, हवाई अड्डे और अब रैपिड रेलवे सब मिलकर नये भारत की तस्वीर गढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में एक ऐतिहासिक परियोजना झनमो भारत दिल्लीझमेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिटसिस्टम कॉरिडोर अब लगभग पूरी तरह तैयार है और उद्घाटन की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना केवल एक परिवहन सुविधा नहीं है,बल्कि भारत की बदलती सोच,आधुनिकता की दिशा में उठाए गए ठोस कदम और भविष्य की सतत विकास दृष्टि का प्रतीक है। दिल्ली-मेरठ की दूरी, अब मिनटों में दिल्ली और मेरठ के बीच लगभग 82 किलोमीटर का यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) द्वारा विकसित किया गया है।इसे पूरी तरह आधुनिक तकनीक से बनाया गया है। इस रैपिड रेल की सबसे बड़ी विशेषता है इसकी अधिकतम परिचालन गति 160 किमी प्रति घंटा। जहाँ सड़क मार्ग से यह यात्रा 2 से 2.5 घंटे में पूरी होती थी, वहीं अब यह दूरी केवल 55 से 60 मिनट

में पूरी हो जाएगी। यह समय बचत दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली है। कॉरिडोर का लगभग 55 किलो मीटर लंबा हिस्सा पहले ही चालू कर दिया गया है। यह हिस्सा दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन से शुरू होकर मेरठ की सीमा पर स्थित मेरठ साउथ स्टेशन तक जाता है। शेष 27 किलोमीटर का हिस्सा- जिसमें दिल्ली में न्यू अशोक नगर से सराय खान तक और मेरठ में मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक का खंड शामिल है। उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल के अनुसार यह अंतिम खंड भी बहुत जल्द जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस परियोजना में 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। यह निवेश केवल पटरियाँ बिछाने तक सीमित नहीं है,बल्कि इसमें आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम, विद्युत आपूर्ति, अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष, यात्री सुविधाएँ, सुरक्षा इंतजाम और पर्यावरण-अनुकूल डिजाइन शामिल हैं। ट्रेन के डिब्बों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिजाइन किया गया है। इनमें वातानुकूलन, आराम दायक सीटें, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन बटन और दिव्यांगजन के लिए विशेष व्यवस्था मौजूद है। विगत जून माह में पूरे कॉरिडोर पर सफल ट्रायल रन किए गए। इन ट्रायल्स में निम्न पहलुओं की गहन जांच की गईः गति और ब्रेकिंग सिस्टम, मोड़ पर स्थिरता आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता सिग्नलिंग और कंट्रोल सिस्टम, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षाइन सभी परीक्षणों के सफल होने के बाद यह प्रणाली वाणिज्यिक संचालन के लिए पूरी तरह तैयार मानी गई इस परियोजना के शुरू होने से यात्रियों को होने वाले निम्न लाभ मिलेंगे। समय की बचत -जहां पहले दिल्ली से मेरठ तक यात्रा में औसतन 2.5 घंटे लगते थे, अब यह यात्रा 55-60 मिनट में पूरी होगी। यह बचा हुआ समय लोग अपने काम,परिवार या विश्राम के लिए उपयोग कर सकेंगे। धन की बचत -कार या बाइक से रोज सफर करने वालों का ईंधन खर्च घटेगा। वाहन की मरम्मत और रखरखाव की लागत भी कम होगी। जाम से मुक्ति -अनुमान है कि इस परियोजना के पूरी तरह चालू होने के बाद प्रतिदिन एक लाख से अधिक कारें सड़क से हट जाएंगी, जिससे दिल्ली-एनसीआर में जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। प्रदूषण पर नियंत्रण-वाहनों की संख्या घटने से वायु प्रदूषण में गिरावट आएगी। यह दिल्ली-एनसीआर के लिए एक बड़ी राहत होगी जो विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में गिना जाता है। सुरक्षित और आरामदायक यात्रा वातानुकूलित डिब्बों,समय पर चलने वाली ट्रेन और उन्नत सुरक्षा इंतजामों के कारण यात्रा ज्यादा सुविधाजनक और भरोसेमंद होगी। व्यापारिक अवसरों में वृद्धि झदिल्ली और मेरठ के बीच माल और सेवाओं का आदान-प्रदान तेज होगा। रियल एस्टेट में उछाल-मेरठ और आसपास के कस्बों में आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों की मांग बढ़ेगी। रोजगार और शिक्षा में लाभ- मेरठ, गाजियाबाद जैसे शहरों के लोग दिल्ली में आसानी से काम और पढ़ाई के लिए आ-जा सकेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच-दिल्ली के बड़े अस्पतालों तक पहुँचना आसान होगा, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर मिल सकेंगी। जनसंख्या का संतुलन-लोग दिल्ली से बाहर बसने के लिए प्रेरित होंगे,जिससे दिल्ली पर दबाव कम होगा। पर्यावरण के लिए वरदान-बिजली से चलने वाली यह रैपिड रेल ऊर्जा दक्ष है। यह एक बार में बड़ी संख्या में यात्रियों को कम ऊर्जा में परिवहन कर सकती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी और वायु गुणवत्ता सुधरेगी। नमो भारत दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर भारत के बुनियादी ढाँचे के विकास में एक मील का पत्थर है। यह दशार्ता है कि भारत अब विश्वस्तरीय, तेज और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री का नये भारत का विजन इस परियोजना में मूर्त रूप लेता है।

पाकिस्तान के साथ मैचः देश की गरिमा या पैसे का खेल?

भारत - पाकिस्तान का मैच पूरी दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा होती है, जिसमें पूरी दुनिया का इंट्रेस्ट होता है. जिस दिन भारत - पाकिस्तान का मैच होता है उस दिन टीआरपी के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त हो जाते हैं ' हमेशा यही देखा गया है कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच के टिकट ओपन होते हमेशा कुछ ही घंटों में बिक जाते हैं परंतु पहलगाम हमले के बाद स्थिति कुछ अलग ही दिखाई दे रही है' एशिया कप 2025 में होने वाले इस महामुकाबले के टिकट अभी भी अनसोल्डा हैं। वहीं, अब इस मुकाबले पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंहकि इस मैच को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज हो गई है। वहीं, एक सेवानिवृत्तओ वरिष्ठी सैन्यक अधिकारी ने मैच के बहिष्कातर की घोषणा कर दी है। इस तरह पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तानन के खिलाफ लोग एक फिर से एकजुट होते नजर आ रहे हैं। बता दें कि चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों के बीच एशिया कप ये अहम मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाने वाला है। यह मामला गुरुवार को जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस विजय विष्णोई की बेंच के सामने उठाया गया। याचिका का उल्लेख करते हुए जब वकील ने इसे शुक्रवार को लिस्ट करने की गुहार लगाई तब जस्टिस महेश्वरी ने कहा कि क्या जल्दी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया, जिसमें भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। यह मैच एशिया कप टी20 टूनार्मेंट में 14 सितंबर को होने वाला है। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा मैच इस रविवार है? हम उसमें क्या कर सकते हैं? होने दीजिए, मैच होना चाहिए ' जब वकील ने बताया कि मैच रविवार (14 सितम्बर) को है और अगर शुक्रवार को यह लिस्ट नहीं किया गया तो याचिका निरर्थक हो जाएगी। तब जस्टिस माहेश्वरी ने कहा मैच इस रविवार है? हम उसमें क्या कर सकते हैं? होने दीजिए, मैच होना चाहिए। इसके बाद वकील ने निवेदन किया कि चाहे उसका केस मजबूत हो या कमजोर, लेकिन कम से कम मामले को लिस्ट किया जाना चाहिए। अदालत ने गुहार को सुनवाई को ठुकरा दिया। कहा कि मैच होना चाहिए। यह (पीआईएल) चार याचिकाकताओं ने दायर की है जो वर्तमान में कानून की पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि याचिकाकर्ताओ का कहना है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है ' पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है। यह सशस्त्र बलों एवं उन नागरिकों के बलिदानों को कमतर करता है, जिन्होंने हमले में अपने प्राण गंवाए। याचिका में कहा गया है कि पाकिस्तान के साथ खेलना उल्टा संदेश देता है कि जब हमारे सैनिक जान की बाजी लगा रहे हैं। हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं, जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। यह उन पीड़ित परिवारों की भावनाओं को भी ठेस पहुँचा सकता है, जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपने प्रियजनों को खोया है। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से ऊपर है। एक बात समझ नहीं आती कि भारत सरकार का रुख क्या है? क्योंकि सरकार ने इस मुद्दे पर अपना कोई पक्ष नहीं रखा' हालांकि पहलगाम हमले के बाद अभी कुछ महीने पहले लीजेण्ड क्रिकेट लीग के में भारत चाहता तो फाइनल खेलता परंतु भारत ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना कर दिया था चूंकि देश में उस मैच का जबरदस्त विरोध हुआ था।

आज का राशिफल

मेष कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

तुला नौकरी करने वालों के लिए दिन है। कार्यस्थल पर आपके अधिकारों में वृद्धि हो सकती है।

वृषभ संपत्ति संबंधी मामलों में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

वृश्चिक राजनीति के क्षेत्र में आपकी मुलाकात किसी महान व्यक्ति या नेता से हो सकती है।

मिथुन व्यापार के मामले में योजनाएं बना सकते हैं, भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

धनु नए व्यापार को शुरू करने के लिए आप कई योजनाएं बना सकते हैं।

कर्क कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ बोलचाल बढ़ेगी और आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होगा।

मकर आपको सतर्क रहने की जरूरत है, अन्यथा किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत करते रहनी होगी।

कुंभ आपके कुछ पुराने कार्य अटके हुए हैं, तो कुछ बाधाओं और धन खर्च के बाद वे पूरे हो जाएंगे।

कन्या सहकर्मी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है।

मीन आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है।

विशेष

घाव देकर मलहम लगाना भाजपा से सीखें

भाजपा की केंद्र सरकार जीएसटी में लाखों करोड़ रुपए महीने का टैक्स वसूल कर रही है। पिछले 8 सालों से यह वसूली 30 लाख करोड रुपए से ज्यादा की हो गई है। अब जीएसटी की दरों को कम करके भाजपा इसे मास्टर स्ट्रोक बता रही है। केंद्र सरकार का कहना है, जरूरी चीजों में जीएसटी की दरों में कमी की गई है। उससे जनता की बल्ले बल्ले हो गई है। यह अलग बात है, 12 फीसदी वाली सूची और उसमें पांच फीसदी की सूची के आइटम जोड़कर 18 फीसदी कर दिया गया है। 40 फीसदी की एक विशेष सूची बना दी है। सरकार को राजस्व का कोई नुकसान भी नहीं है। उसके बाद भी सरकार की बल्ले बल्ले हो रही है।

100 फीसदी एफडीआई के बाद अब स्वदेशी का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एनडीए सांसदों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी मेले के आयोजन करने के निर्देश सांसदों को दिए। जब भाजपा विपक्ष में थी, तब स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी का नारा लगाते हुए तत्कालीन सरकार को काम नहीं करने दे रहा था। 2014 में मोदी जी प्रधानमंत्री बने। तब जो विरोध कर रहे थे उसी को ही उन्होंने अपना लिया। 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति दे दी। स्वदेशी का मंत्र ही भूल गए थे। 2014 से 2024 के बीच में चीन का आयात कई गुना बढ़ गया। अब 2025 में एक बार फिर उन्हें स्वदेशी का मंत्र याद आया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1613: तुर्की ने हंगरी पर हमला किया. 1752: ब्रिटेन में ग्रेगोरियन कैलेंडर को स्वीकार किया गया. 1774: रूसी तख्त के दावेदार पुगाचोफ मौत के घाट उतार दिए गए. 1812: नेपोलियन बोनापार्ट मास्को पहुंचे और वहाँ के निवासियों ने पूरे शहर में आग लगा दी. 1829: रूस तुर्की युद्ध समाप्त हुआ. 1831: लार्ड लेक ने दिल्ली पर कब्जा किया . 1911: रूसी प्रधानमंत्री पीटर स्टोलिपिन की हत्या कर दी गई. 1921: मिगुएल प्राइमो डी रिवेरा स्पेन के तानाशाह बने. 1972: अमरीकी सीनेट के पांच वर्ष तक परमाणु हथियारों पर रोक लगाने के अमरीका सोवियत संघ के समझौते को मंजूरी दी. 1982: लेबनान के निर्वाचित राष्ट्रपति बशीर गेमाइल की पूर्वी बेरूत में बम विस्फोट में मृत्यु. 1988: बर्मा के राष्ट्रपति मांग मांग के इस्तीफे की मांग करते हुए लाखों लोगों ने प्रदर्शन किया.

दैनिक पंचांग

सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.02 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.13 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.27 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.48 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.18 बजे से
		मिथुन	23.16 बजे से
		कर्क	01.30 बजे से
		सिंह	03.46 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

2025 वर्ष का 257 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.41 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 07.35 बजे तदनन्तर सिद्धि(असृक)04.55 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** बालव 16.03 बजे तदनन्तर कौलव 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 24'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872467
जूलियन दिन 2460932.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** अष्टमी श्राद्ध, जीवित्पुत्रिका व्रत, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, अष्टमी रोहिणी, हिन्दी दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यूरिया की किल्लत बरकरार: 266 रुपए की बोरी बाजार में 400 में बिक रही

रांची, एजेंसी। रांची सहित राज्यभर में धान की बंपर रोपाई हुई है। करीब 17 लाख हेक्टेयर में इस बार फसल लगी है। लेकिन पौधों को मजबूती नहीं मिल पा रही है, क्योंकि रोपाई के बाद पर्याप्त खाद नहीं डाली जा सकी। रोपाई के 50 दिनों के अंदर धान के पौधों को दो बार यूरिया की जरूरत होती है। अब वह अवधि समाप्त होने को है, लेकिन सभी खेतों में यूरिया नहीं डाली जा सकी है। इसका नतीजा है कि धान के पौधे कमजोर हैं। अभी भी यूरिया नहीं मिली तो पैदावार पर असर पड़ेगा। हालांकि, सरकार का दावा है कि राज्य में यूरिया की कोई किल्लत नहीं है। जुलाई में यूरिया की कमी थी, जिसे अगस्त में पूरा किया गया। सितंबर में कोई किल्लत नहीं है।

लेकिन सच्चाई सरकार के दावों से अलग है। राज्य के सभी जिलों में अभी भी यूरिया की किल्लत है। कालाबाजारी कम हुई है, लेकिन पूरी तरह बंद नहीं हुई। लैम्पस से यूरिया नहीं मिलने की स्थिति में किसान बाजार से यूरिया खरीद रहे हैं। इसके लिए अधिक कीमत चुका रहे हैं। सरकारी दर 266.50 रुपए प्रति बोरी (45 किलो) है। लेकिन खाद-बीज की दुकानों में 350 से 450 रुपए प्रति बोरी तक यूरिया बिक रही है।

धान रोपाई से 50 दिनों के अंदर दो बार यूरिया देना जरूरीधान की फसल में रोपाई से पहले यूरिया, पोटास और डीएपी डाली जाती है। रोपाई के 20 दिन बाद और फिर उसके 30 दिनों के बाद यूरिया देने की जरूरत होती है, नहीं तो पौधे कमजोर होंगे। तना अधिक नहीं निकलेंगे तो पैदावार कम होगी। रोग से लड़ने की क्षमता कम होगी। विकल्प के रूप में नैनो यूरिया इस्तेमाल कर सकते हैं।

रांचीः सितंबर में 3500 मीट्रिक टन की जरूरत थी, जो मिल गई। अगस्त तक ही किल्लत थी। कालाबाजारी पर 7 खाद दुकानदारों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं।

हजारीबागः 350 से 400 रुपए प्रति बोरा यूरिया बिक रही है। जिला कृषि पदाधिकारी उमेश तिर्की ने बताया कि जिले को 20 हजार एमटी की जरूरत है, कम मिली।

रामगढ़ः लैम्पस से यूरिया नहीं मिल रही है। इस वजह से किसान 350 से 400 रुपए प्रति बोरा यूरिया खरीद रहे। दुलमी प्रखंड के कृषि पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि इस वर्ष खाद की किल्लत है।

गढ़वाः किसान 500 से 600 रुपए प्रति बोरी यूरिया खरीद रहे हैं। बिहार से खाद मंगानी पड़ रही है। जिला कृषि पदाधिकारी खुशबू पासवान ने बताया कि 8500 मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत थी, 7600 एमटी मिली है। कालाबाजारी की शिकायत पर कार्रवाई भी हो रही है।

गिरिडीहः यूरिया 380 से 400 रु. बोरी बिक रही है। जिला कृषि पदाधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि सितंबर में 5100 एमटी यूरिया की जरूरत थी, पर आधा मिला है।

6 माह पहले निगम ने मुहल्ले में छोड़ा था कुत्ता, लड़की को गर्दन के पास काटा

रांची, एजेंसी।नगर निगम ने जिस कुत्ते को छह माह पहले गौरी शंकर मुहल्ले में ले जाकर छोड़ा था, उसने शनिवार को एक 17 साल की नाबालिग बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची को गर्दन के नीचे तीन बार उसने काटा। अगर समय पर लोग उसे बचाने नहीं पहुंचते तो उसकी जान भी जा सकती थी।

घटना शनिवार की सुबह 10.40 बजे की है। 17 साल की रिया जो डीएवी कपिलदेव में 12वीं कक्षा में पढ़ती है, शनिवार को पेरेंट्स टीचर मीट में गई थी। वहां से घर लौटने के बाद रिया घर के सामने बैठे कुत्ते को पुचकारा। जैसे ही उसे आवाज दी, कुत्ते ने उसपर हमला कर दिया।

रिया जबतक समझ पाती कुत्ते ने उसके गर्दन के नीचे हमला कर दिया। गर्दन के नीचे उसे तीन जगहों पर काटा। एक और कुत्ता भी रिया की ओर झपटा। जब वह चिल्लाने लगी तो आसपास के लोग वहां जुट गए। कुत्तों को किसी तरह से वहां से हटाया। रिया के परिजनों ने बताया कि निगम ने उस कुत्ते को छह माह पहले ही मुहल्ले में लाकर छोड़ा था। उसने अबतक तीन लोगो का काटा है। यह चौथी घटना थी। घटना के बाद स्थानीय लोगो ने नगर निगम से इसकी शिकायत की। उसके बाद निगम की टीम वहां पहुंची और उसे पकड़ कर ले गई।

जामताड़ा जेबीसी प्लस टू उत्कृष्ट विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी

जामताड़ा, एजेंसी। जेबीसी प्लस टू उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सुरेश महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। गोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति और विद्यालय वातावरण को और बेहतर बनाना था। बैठक में विद्यालय की उपस्थिति पर विशेष चर्चा की गई। अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संवाद कर बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने पर बल दिया गया। साथ ही, घर में अध्ययन का अनुकूल वातावरण बनाने और दैनिक पढ़ाई में सहयोग करने के सुझाव दिए गए। प्रोजेक्ट रेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। गोष्ठी में यह भी तय किया गया कि नियमित उपस्थिति दर्ज कराने वाले और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। पुस्तकालय के उपयोग को बढ़ावा देने, बागवानी और विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर प्राचार्य एबीमाइल टुडू, रणवीर पांडे, नेपाल चंद्र दत्ता, अशोक कुमार सहित शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गोष्ठी का समापन सकारात्मक माहौल और शिक्षा सुधार के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

ट्रॉमा सेंटर सुधरेगा, 100 वेंटिलेटर व एमआरआई मशीन भी खरीदी जाएगी

रांची, एजेंसी। हाईकोर्ट की निर्देश पर शनिवार को रिम्स में हुई शासी परिषद की बैठक में कोर्ट के संज्ञान में शामिल केवल 16 एजेंडों पर चर्चा की गई। पहली बार बैठक रिटायर्ड जज की निगरानी में शासी परिषद के चेयरमैन सह स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई। ये सभी वैसे एजेंडे थे जो पूर्व में हाईकोर्ट की टीम ने रिम्स में निरीक्षण के क्रम में खामियां गिनाई थी।

रिम्स में वेंटिलेटर की कमी को लेकर चर्चा हुई, जिसके बाद तत्काल 100 वेंटिलेटर खरीद की सहमति दी गई, ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके अलावा एमआरआई मशीन इंस्टॉलेशन, ट्रॉमा सेंटर में सुविधाएं बढ़ाने, विभिन्न वार्डों की मरम्मत आदि पर भी सहमति दी गई। बैठक में रिटायर्ड जस्टिस अमरेश्वर सहाय, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति, रिनपास निदेशक, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, प्रमंडलीय आयुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जीबी की अगली बैठक 9 अक्टूबर को, मुख्य एजेंडों पर होगी चर्चा60वीं जीबी की बैठक में केवल हाईकोर्ट में शामिल एजेंडों पर ही चर्चा की जा सकी। साथ ही बैठक में ही यह भी तय किया गया कि अगली बैठक 9 अक्टूबर 2025 को आयोजित होगी, जिसमें शेष बचे प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उम्मीद जताई गई कि तब तक कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्यवाही आगे बढ़ चुकी होगी।

बैठक में इन बिंदुओं पर हुई चर्चा.-परचेजिंग की प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी को प्रमुख समस्या माना गया। इस देरी के कारण मरीजों को समय पर सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं और अस्पताल की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। इसके समाधान के लिए एक पारदर्शी और तेज़ परचेजिंग सिस्टम लागू करने पर जोर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर की स्थिति पर भी विशेष फोकस किया गया। सदस्यों ने कहा कि यहां मरीजों को तुरंत और गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के लिए आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है। वहीं, रखरखाव को लेकर तकनीकी टीम को नियमित निरीक्षण और मरम्मत करने का निर्देश दिया गया।

प्रबंधन को यह भी निर्देश

रखरखाव और साफ-सफाई के मुद्दे पर भी बैठक में गंभीरता से चर्चा हुई। सदस्यों ने माना कि अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और उपकरणों की नियमित देखरेख में अब और लापरवाही बर्दाश्त नहीं होनी चाहिए। मरीजों और परिजनों को स्वच्छ और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए रिम्स प्रबंधन को आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया।बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने साफ कहा कि सरकारी ड्यूटी के दौरान बाहर प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रेन में चोरी का विरोध किया तो यात्री पर किया एसिड से हमला, गंभीर हालत में पटना रेफर

जसीडीह(देवघर), एजेंसी। जसीडीह प्लेटफार्म पर छिनतई की घटना को अंजाम देने में नाकामयाब होने पर अपराधियों ने एसिड से वार कर एक रेल यात्री को गंभीर रूप से घायल कर दिया है। ये घटना मंगलवार रात की बतायी जाती है।शनिवार को रेल यात्री ने इसकी सूचना जसीडीह रेल थाना की पुलिस को दी। घटना को लेकर पीड़ित बिहार के लखीसराय जिला के बड़हिया थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी अजय पासवान ने बताया कि कोलकाता में रहकर निजी फैक्ट्री में काम करता है। बीते नौ सितंबर की रात को कोलकाता मुजफ्फरपुर तिरहुत एक्सप्रेस के सामान्य बोगी में सवार होकर क्यूल स्टेशन जा रहा था।इसी दौरान मधुपुर स्टेशन पर एक व्यक्ति गाड़ी में सवार होकर बगल में आकर बैठ गया। बगल में बैठने के पश्चात उसने पहले पॉकेट में हाथ डाल कर मोबाइल और पैसा निकालने की कोशिश की। इस दौरान नींद खुलने पर विरोध किया। इसके बाद उस व्यक्ति सीट के नीचे रखा थैला को निकालने की कोशिश करने लगा।पुन: विरोध करते हुए जसीडीह स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर ट्रेन केरुकने के साथ ही वह व्यक्ति ट्रेन से नीचे उतर कर खिड़की के पास खड़ा हो गया। ट्रेन खुलने के बाद व्यक्ति ने शरीर पर एसिड फेंक दिया जिस कारण उसका चेहरा बुरी तरह से जलने लगा।

आस पास के यात्रियों ने पानी से चेहरा साफ कर दिया लेकिन जलन काफी अधिक होने के कारण क्यूल स्टेशन पर उतर कर घटना की जानकारी स्वजनों को दी। स्वजनों ने उसे इलाज के लिए लखीसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया।इस दौरान उसके आंख में गंभीर जख्म हो गया है। उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया। स्थिति में सुधार होने के पश्चात घटना की लिखित शिकायत जसीडीह रेल थाना को दी गई है। रेल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

142 करोड़ खर्च कर बना भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क, अब पर्यटक यहां आने से बच रहे

रांची, एजेंसी। भगवान बिरसा मुंडा ने जिस जेल में अंतिम सांस ली, उसे संरक्षित करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने 142 करोड़ रुपए खर्च किए। जेल के पुराने भवन को म्यूजियम बना दिया गया और 35 एकड़ में फैले जेल परिसर को भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क बनाया गया। यह रांची का सबसे बड़ा पार्क है।इसलिए यहां काफी संख्या में लोग बच्चों के साथ पहुंचते हैं। लेकिन रांची नगर निगम की एक करतूत से लोग पार्क में आना बंद कर रहे हैं। दरअसल, निगम ने पार्क के ठीक सामने स्थित ट्रैकर स्टैंड को मिनी कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन बना दिया है। लालपुर जोन का कूड़ा यहीं लाकर डंप किया जाता है। जितना कूड़ा डंप हो रहा है उतने का उठाव नहीं हो रहा है। इससे इतना दुर्गंध उठ रहा है कि राहगीरों को यहां से गुजरने के लिए नाक बंद करना पड़ रहा है।तालाब का पानी पड़ा कालाडंपिंग यार्ड की वजह से उससे सटा जेल तालाब बर्बाद हो रहा है। यहां बैठना मुश्किल है। कूड़ा से निकलने वाले गंदे पानी की वजह से तालाब के पानी का रंग भी काला पड़ गया है। सबसे अधिक परेशानी ट्रैकर स्टैंड आने वाले यात्रियों को हो रही है। इरबा, ओरमांझी सहित अन्य क्षेत्रों से आने-जाने वाले नाक बंद कर यहां पहुंच रहे हैं।

बिष्टुपुर लूटकांड में मास्टर माइंड समेत चार गये जेल, आदित्यपुर के करन और सोनारी के पंकज की तलाश में जुटी पुलिस

जमशेदपुर, एजेंसी। बिष्टुपुर गुरुद्वारा बस्ती के कारोबारी साकेत अगिवाल से 30 लाख रुपये लूट मामले में पुलिस आदित्यपुर के करन कुमार और सोनारी के पंकज कुमार की तलाश में जुटी है. लूटकांड में प्रयुक्त इनोवा कार करन ने ही उपलब्ध कराया था. करन ने ही गणेश कुंभकार को बतौर चालक इनोवा कार चलाने को कहा था. इसके अलावा लूटपाट के दौरान इनोवा कार में राकेश कुमार मंडल उर्फ पकौड़ी के साथ सोनारी का पंकज कुमार भी मौजूद था. वारदात के दिन कदमा रानीकुदर निवासी कमलेश दूबे लगातार साकेत अगिवाल पर नजर रख रहा था. वारदात के दिन भी साकेत अगिवाल की स्कूटी के पीछे-पीछे चल रहा था. इसके अलावा राकेश कुमार उर्फ पकौड़ी को लगातार सूचित कर रहा था. घर से निकलने की तैयारी पर कमलेश दूबे ने राकेश को सूचित किया था. जिसके बाद राकेश, पंकज, गणेश व राकेश का साथी इनोवा को गुरुद्वारा के पास पार्किंग में खड़ा कर दिया, ताकि रास्ते में साकेत अगिवाल को रोका जा सके. वारदात को अंजाम देने के बाद सभी नोआमुंडी में सुधीर कुमार बेहरा के पास गये. जहां उन्होंने लूटे गये रुपये आपस में बंटवारा किया. नोआमुंडी निवासी सुधीर नारायण बेहरा ने ही राकेश मंडल उर्फ पकौड़ी और कमलेश दूबे को जाली सिम कार्ड उपलब्ध कराया था. नोआमुंडी में रुपये के बंटवारा के बाद सभी अलग-अलग दिशा में भाग गये. गणेश कुंभकार इनोवा कार व हथियार लेकर कपाली स्थित अपने घर आ गया. घटनास्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज से इनोवा कार की जानकारी होने पर पुलिस ने सबसे पहले गणेश कुंभकार को गिरफ्तार किया. उसकी निशानदेही पर इनोवा कार व हथियार बरामद किया गया. इसके अलावा लूट के रुपये में से गणेश को मिली राशि भी पुलिस ने उसके घर से बरामद की. पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस को लूटकांड में सफलता मिलती गयी. पुलिस ने कमलेश दूबे, सुधीर कुमार बेहरा और फिर अंत में पंजाब के अमृतसर से राकेश कुमार मंडल उर्फ पकौड़ी को गिरफ्तार किया. शुक्रवार को केस का उद्भेदन करते हुए एसएसपी पीयूष पांडेय ने पत्रकारों को बताया कि कारोबारी साकेत अगिवाल से हुए लूटकांड में अबतक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार युवकों में कदमा न्यू रानीकुदर निवासी राकेश मंडल उर्फ पकौड़ी, कमलेश दूबे, चाईबासा के नोआमुंडी निवासी सुधीर नारायण बेहरा और गम्हरिया निवासी गणेश कुंभकार उर्फ कुचा शामिल है. गिरफ्तार युवकों की निशानदेही पर एक देसी पिस्तौल, इनोवा कार (जेएच05एएन 7303), चार मोबाइल और लूटे गये रुपये में से 10.69 लाख रुपये बरामद किया गया है.

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार राकेश कुमार मंडल उर्फ पकौड़ी के खिलाफ पूर्व से केस दर्ज है. वह जेल भी जा चुका है. इस लूटकांड की साजिश कमलेश दूबे ने ही रची थी. उसी ने राकेश उर्फ पकौड़ी के माध्यम से वारदात को अंजाम दिलवाया. इस मामले में कमलेश दूबे के दो साथी फरार हैं. उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है. एसएसपी ने बताया कि लूट को अंजाम देने के बाद पकौड़ी ने ही हवाई फायरिंग की थी.

मालूम हो कि गत 4 सितंबर को बिष्टुपुर गुरुद्वारा के पास गुरुद्वारा बस्ती निवासी कारोबारी साकेत अगिवाल से 30 लाख रुपये की लूट की घटना घटी थी. बदमाश आंख में मिर्च पाउडर छिड़ककर रुपये से भरा बैग छीन कर फरार हो गये थे.

2 अक्तूबर तक मनाया जाएगा स्वच्छोत्सव

जामताड़ा, एजेंसी। उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन/समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 और जल जीवन मिशन से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। डीडीसी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का उद्देश्य गांवों को खुले में शौच से मुक्त रखना, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को मजबूत करना और गांवों को ओडीएफ प्लस व स्वच्छता युक्त बनाना है। उन्होंने प्रखंडवार लक्ष्य पूरे करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आईएचएचएल (शौचालय) लक्ष्य की धीमी प्रगति पर जामताड़ा, करमाटांड़ एवं फतेहपुर प्रखंड के एसबीएम समन्वयकों से स्पष्टीकरण मांगा गया और 31 अक्तूबर तक 100 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए डीडीसी ने 10 दिनों में अपेक्षित सुधार लाने को कहा। ओडीएफ प्लस स्टार रेटिंग में 1 स्टार को 3 स्टार में अपग्रेड करने और नाडेप, शॉकपिट, बर्मी कंपोस्ट, कंपोस्ट पीट व भस्मक (एमएचएम) निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पीएम श्री उच्च विद्यालय पट्टाजोरी में शिक्षक-अभिभावकों की हई बैठक

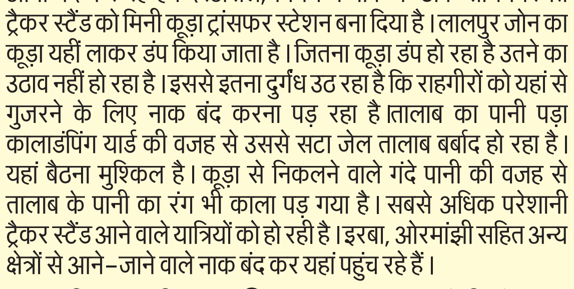

जामताड़ा , एजेंसी। पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पट्टाजोरी में शिक्षक-अभिभावक बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा और अभिभावक-शिक्षक सहयोग को मजबूत करना था। बैठक की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गान से हुई। प्रधानाध्यापक श्री अनिमेश मंडल ने विद्यालय की उपलब्धियों, चुनौतियों और उद्देश्यों की जानकारी दी। बैठक में शत-प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करने, लर्निंग गैप दूर करने हेतु विशेष शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित करने, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने और घर पर अध्ययन का वातावरण बनाने पर बल दिया गया। साथ ही, पीटीएम और एसएमसी की भूमिका, अनुशासन, स्वच्छता और समयपालन के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बनाया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि विद्यालय की प्रगति के लिए शिक्षक, अभिभावक और समाज का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। जनप्रतिनिधि और अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि सनातन सोरेन, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा बालिका हांसदा, सहायक शिक्षक एवं बड़ी संख्या में अभिभावक-विद्यार्थी उपस्थित रहे। बैठक का समापन सकारात्मक माहौल में हुआ।

लीची की खेती में आत्मनिर्भरता की ओर झारखंड, मनरेगा के तहत 336 पंचायतों में होगी खेती

रांची, एजेंसी। झारखंड के 336 पंचायतों का चयन लीची की खेती के लिए कर लिया गया है और इन पंचायतों में लीची के पौधे लगाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय इसके लिए परामर्श प्रदान कर रहा है।इसी के परामर्श पर झारखंड के कई इलाकों में आम की खेती शुरू की गई और इसका नतीजा यह रहा है कि झारखंड आम की खेती में आत्मनिर्भर बन चुका है। एक बार फिर लीची को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

27 दिनों में 323 नाबालिग को गाड़ी चलाते पकड़ी ट्रैफिक पुलिस

रांची, एजेंसी।शहर में ट्रैफिक स्मूथ करने व सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए पुलिस सख्त हो गई है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर शहर के विभिन्न जगहों पर ट्रैफिक पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। ट्रैफिक डीएसपी प्रमोद कुमार केसरी और शिव प्रसाद को ट्रैफिक स्मूथ कराने का जिम्मा दिया गया है। दोनों डीएसपी के निर्देश पर सभी 8 थानेदार अलग-अलग इलाके में अभियान चलाकर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं।सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस चिन्हित जगहों पर नाबालिग वाहन चालकों के खिलाफ विशेष रूप से अभियान चला रही है। वैसे स्कूल-कॉलेज के छात्र जिनका उम्र 18 साल से कम है, उसके खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। आंकड़ो पर गौर करें तो पिछले 27 दिनों में ही ट्रैफिक पुलिस ने 323 नाबालिग को वाहन चलाते पकड़ा है जिसकी गाड़ी जब्त की गई है।

इसके अलावा नो पार्किंग जोन में गाड़ी खड़ी करने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त है। यही वजह है कि पिछले 27 दिनों में नो पार्किंग जोन में पकड़े गए 5791 वाहनों का चालान काटा गया है। ब्लैक फिल्म लगाकर चलने वाले कार सवार के खिलाफ भी पुलिस लगातार अभियान चला रही है। ब्लैक फिल्म लगे 1180 वाहन के खिलाफ भी पुलिस ने कार्रवाई की है और मौके पर ही ब्लैक फिल्म हटाया गया है।

कोडरमा में जेवरात की कर ली ठगी:बर्तन साफ करने के बहाने घर में घुसे दो युवक

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत नरेश नगर में ठगी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात ठगों ने गृहस्वामी सत्यजीत कुमार उर्फ गोलू के घर पहुंचकर खुद को कंपनी का प्रचारक बताते हुए गहनों की साफ-सफाई करने का झांसा दिया। इस दौरान घर में केवल गोलू की मां और उनकी बहू मौजूद थीं। ठग ने पहले घर के बर्तनों को साफ कर भरोसा जीता और फिर सोने के जेवरात साफ करने की बात कही। महिलाएं उसकी बातों में आकर अपने कीमती गहने उस बर्तन में डाल दीं, जिसमें पहले से केमिकल मिला हुआ था।

बहू के गहने भी किए गायबगोलू की मां ने बताया कि उन्होंने अपने कानों से सोने के टॉप्स निकालकर बर्तन में डाल दिए। इसके बाद ठग ने उनकी बहू को भी जेवर साफ करने के लिए कहा। बहू ने घर से सोने की चेन, शादी में चढ़ाया हुआ ढोलना, अंगूठी और कानों के झुमके लाकर बर्तन में डाल दिए।

इस बीच उसका एक और साथी बिना नम्बर प्लेट की बाइक से वहां पहुंचा। दोनों ने चालाकी से महिलाओं के हाथ में केमिकल लगाकर तुरंत धोने को कहा। जैसे ही महिलाएं घर के अंदर हाथ धोने गईं, वैसे ही दोनों युवक गहनों से भरा बर्तन लेकर मौके से फरार हो गए।

शोर मचाने पर जुटे लोगजब महिलाएं बाहर लौटीं तो देखा कि युवक गायब हो चुके हैं। आसपास खोजबीन करने पर भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद महिलाओं ने शोर मचाना शुरू किया, जिस पर मोहल्ले के लोग जुटे और ठगों की तलाश करने लगे। लेकिन तब तक दोनों ठग मोहल्ले से बाहर निकल चुके थे। पीड़ित परिजनों ने बताया कि ठगों द्वारा ले जाए गए गहनों की कुल कीमत लगभग तीन लाख रुपए आंकी गई है। इस घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जांच में जुटी पुलिस: घटना की जानकारी मिलते ही तिलैया पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। देर रात पीड़ित परिवार ने तिलैया थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें दोनों ठगों का घर में प्रवेश और निकलने का वीडियो मिला है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर उनकी पहचान कर गिरफ्तारी की कोशिशें तेज कर दी गई हैं। वहीं, पुलिस लोगों को सतर्क रहने और अज्ञात व्यक्तियों पर भरोसा न करने की अपील कर रही है।

प्याज एक नकदी फसल है जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। भारत में रबी तथा खरीफ दोनों ऋतुओं में प्याज उगाया जा सकता है।

प्याज की उन्नत खेती

भूमि- प्याज सभी प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है जैसे कि रेतीली, दोमट, गाद दोमट और भारी मिट्टी। सफल प्याज की खेती के लिए सबसे अच्छी मिट्टी दोमट और जलोढ़ हैं जिसमें जल निकासी प्रवृत्ती के साथ अच्छी नमी धारण क्षमता और पर्याप्त कार्बनिक पदार्थ हो। भारी मिट्टी में उत्पादित प्याज खराब हो सकते हैं। वैसे भारी मिट्टी पर भी प्याज सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है, अगर खेती के लिए क्षेत्र की तैयारी बहुत अच्छी हो और रोपण से पहले जैविक खाद का प्रयोग किया जाए।

प्याज की फसल के लिए मृदा सामू इष्टतम 6.0 - 7.5 होना चाहिए, लेकिन प्याज हल्के क्षारीय मिट्टी में भी उगाया जा सकता है। प्याज फसल अत्यधिक अम्लीय, क्षारीय और खारी मिट्टी और जल जमाव के लिए अधिक संवेदनशील है। प्याज 6.0 के नीचे सामू की मिट्टी में सूक्ष्म तत्व की कमी की वजह से या कभी-कभी एल्युमिनीयम या मैगनीज विषाक्तता होने के कारण कामयाब नहीं है।

उन्नत किस्में

एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीम डार्क रेड। एग्रीफाउंड लाइट रेड, एग्रीफाउंड रोज, भीमा रेड, भीमा शक्ति, पूसा रेड, पूसा रतनार। पूसा व्हाइट राउंड, पूसा व्हाइट फ्लैट, भीमा श्वेता, भीमा शुभ्रा।

बीज की बुवाई

प्याज की बुवाई खरीफ मौसम में मई के अन्तिम सप्ताह से लेकर जून के मध्य तक करते हैं। रबी फसल हेतु नर्सरी में बीज की बुवाई नवम्बर-दिसम्बर में करनी चाहिए।

पौध तैयार करना

उचित पौधशाला प्रबंधन और रोपाई का प्याज की फसल में महत्वपूर्ण योगदान है। लगभग 0.05 हेक्टेयर क्षेत्र की पौधशाला 1 हेक्टेयर में रोपाई हेतु पर्याप्त है। इसके लिए खेत की 5-6 बार जुताई करें जिससे ढेले टूट जाएं और मिट्टी भुरभुरी होकर अच्छी तरह से पानी धारण कर सके। भूमि की तैयारी से पहले पिछली फसल के बचे हुए भाग, खरपतवार और पत्थर हटा दें। आखिरी जुताई के समय आधा टन अच्छी तरह से सड़ी

हुई गोबर की खाद 0.05 हेक्टेयर में मिट्टी के साथ अच्छी तरह से मिलायें। पौधशाला के लिए 10-15 सें.मी. ऊंचाई, 1मी. चौड़ाई और सुविधा के अनुसार लंबाई की उठी हुई क्यारियां तैयार की जानी चाहिए। क्यारियों के बीच की दूरी कम से कम 30 सेमी हो, जिससे एक समान पानी का बहाव हो सके और अतिरिक्त पानी की निकासी भी संभव हो। उठी हुई क्यारियों की पौधशाला के लिए सिफारिश की गई है, क्योंकि समतल क्यारियों में ज्यादा पानी की वजह से बीज बह जाने का खतरा रहता है। लगभग 10 कि.ग्रा. बीज एक हेक्टेयर में पौध के लिए आवश्यक है।

बुवाई से पहले 3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज के दर से थीरम का उपयोग आर्द्र गलन (डैंपिंग ऑफ) रोग से बचने में सहायता करता है। ट्रायकोडर्मा विरीडी 4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार आर्द्र गलन से बचने एवं स्वस्थ पौध प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। बीज 50 मि.मी. से 75 मि.मी. पर कतार में बोयें जिससे बीज बुवाई के बाद रोपाई, निराई और कीटनाशकों का छिड़काव आसानी से हो सके। बुवाई के बाद बीज को सड़ी हुई गोबर खाद या कम्पोस्ट से ढका जाना चाहिए और फिर हल्के पानी का छिड़काव करें।

टपक या सुक्ष्म फव्वारा प्रणाली के माध्यम से सिंचाई करने पर पानी की बचत होती है। पौधशाला में मेटालेक्सिल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के पर्णीय छिड़काव का मृदा जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए सिफारिश की गई है। कीड़ों का प्रकोप अधिक होने पर फिप्रोनील 1 मिली प्रति लीटर का पत्तों पर छिड़काव करें। प्याज के पौध खरीफ में 35-40 दिनों में और पिछेती खरीफ एवं रबी में 45-50 दिनों में रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

खाद उर्वरक

प्याज से भरपूर उत्पादन प्राप्त करने हेतु खाद एवं उर्वरकों का उपयोग मृदा परीक्षण की अनुशंसा के अनुसार करें। सामान्तया अच्छी फसल लेने के लिये 20-25 टन अच्छी सड़ी गोबर खाद प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की अंतिम तैयारी के समय मिला दें। इसके अलावा 110 किलोग्राम नत्रजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस व 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। नत्रजन की आधी मात्रा और फास्फोरस व पोटाश की संपूर्ण मात्रा रोपाई के पहले खेत में मिला दें। नत्रजन की शेष मात्रा को 2 बरबर भागों में बांटकर रोपाई के 30 दिन तथा 45 दिन बाद छिड़कें। इसके साथ-साथ गंधक (सल्फर) भी प्याज कन्द के तीखापन में सुधार लाने के लिए और प्याज का उत्पादन बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। अगर गंधक स्तर 15 कि.ग्रा./हे. से ऊपर है, तब 30 कि.ग्रा./हे. और यदि यह 15 कि.ग्रा./हे. से नीचे है तब 45 कि.ग्रा./हे. गंधक का इस्तेमाल करना चाहिए।

पौध रोपण

रोपाई के लिए पौध का चयन करते समय ऊचित ध्यान रखें। कम और अधिक आयु के पौध रोपाई के लिए नहीं लें। रोपाई के समय पौध के शीर्ष का एक तिहाई भाग काट दें जिससे उनकी अच्छी स्थापना हो सके। प्याज की पौध स्थापना के दौरान फफूंदी संबंधी रोगों की घटनाओं को कम करने के लिए पौध की जड़ों कों कार्बेण्डाजिम घोल (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) में दो घंटें के लिए डुबाने के बाद रोपित किया जाये। रोपाई के समय पंक्तियों के बीच 15 सें.मी. और पौधों के बीच 10 सें.मी. इष्टतम अंतर हो।

सिंचाई

मौसम, मिट्टी का प्रकार, सिंचाई की विधि और फसल की आयु पर प्याज में सिंचाई की आवश्यकता निर्भर करती है। आम तौर पर रोपाई के समय, रोपाई से तीन दिनों बाद और मिट्टी की नमी के आधार पर 7-10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई की जरूरत होती है। खरीफ फसल में 5-8 बार, पिछेती खरीफ फसल में 10-12 बार और रबी की फसल में 12-15 बार सिंचाई की जरूरत है। प्याज एक उथले जड़ की फसल है जिसकी उचित वृद्धि और कन्द विकास हेतु इष्टतम मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए लगातार हल्के सिंचाई की जरूरत होती है। फसल परिपक्व होने के पश्चात (फसल कटाई से 10-15 दिन पहले) सिंचाई बंद करनी चाहिए। इससे भंडारण के दौरान सड़न को कम करने में मदद मिलती है। अतिरिक्त सिंचाई प्याज की फसल के लिए हानिकारक होती है तथा शुष्क समय के बाद सिंचाई करने से दुफाड कन्द बनते है।

निंदाई-गुड़ाई

फसल को खरपतवार से मुक्त रखने के लिए समय-समय पर निराई-गुड़ाई करके खरपतवार को निकालते रहें। इसके अतिरिक्त खरपतवारनाशी जैसे पेंडिमिथालिन 30 ई.सी. का 3.3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर रोपाई के 3 दिन के अंदर छिड़काव करें या ऑक्सिफलौरफेन 23.5 प्रतिशत ई. सी. 650 मिली प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी मे घोलकर रोपाई के 3 दिन के अंदर छिड़काव करें यदि खड़ी फसल में यदि खरपतवार हो तो ऑक्सीफलौरफेन 23.5 प्रतिशत ई. सी. 1 मिली प्रति लीटर + क्विज़लफोप इथाइल 5 प्रतिशत ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर रोपाई के 20 से 25 दिन बाद छिड़काव करें।

खुदाई

प्याज की फसल 50 प्रतिशत गर्दन गिरने के बाद निकाली जानी चाहिए जो कि फसल परिपक्वता का संकेतक है। हालांकि, खरीफ के मौसम में 90-110 दिनों में कन्द परिपक्व हो जाते हैं, लेकिन पौधे सक्रिय विकास के चरण में ही रहते है और गर्दन गिरने के लक्षण नहीं दिखाई देते। ऐसे समय में रंगद्रव्य और प्याज के आकार को भी खरीफ मौसम के दौरान परिपक्वता के लिए सूचकांक के रूप में लिया जाता है। कन्द के संपूर्ण विकास के बाद, कटाई से दो-तीन दिन पहले गर्दन गिरावट को प्रेरित करने के लिए खाली ड्रम घुमायें। कटे हुए कन्द को तीन दिनों के लिए खेतों में सूखने के लिए छोड़ दें, जिससे कन्द शुष्क हो जाते हैं। इससे उनकी जीवनावधि बढ़ जाती है। तीन दिनों के बाद 2.0-2.5 से. मी. गर्दन को छोड़ सबसे ऊपर का भाग हटा दें तथा उसके बाद 10-12 दिनों के लिए कन्दों को छाया में रखें जिससे कि बेहतर भंडारण हो सके। समयपूर्व कटाई करने से कार्यिकीय भार क्षति, सड़न और अंकुरण के कारण सस्योत्तर नुकसान बढ़ता है।

पौध संरक्षण

प्रमुख कीट: थ्रिप्स: यह छोटे और पीले रंग के कीट होते है जो पत्तियों का रस चूसते हैं। जिससे इनका रंग चितकबरा दिखाई देने लगता है। इनके प्रकोप से पत्तियों के शीर्ष भूरे होकर एवं मुरझाकर सूख जाते हैं।

नियंत्रण: इस कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 5 मिली./15 ली. पानी या फिप्रोनिल 5 प्रतिशत एससी 30 मिली प्रति 15 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।

सफेद लट (व्हाइट ग्रब):

प्रबंधन: - खेत में कच्ची गोबर की खाद का उपयोग नही करें।

- व्हाईट ग्रब के नियंत्रण हेतु प्रभावित खेतों में जड़ों के पास क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. 1.5 लीटर लीटर दवाई को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव इस प्रकार करें कि दवाई 3-4 इंच नीचे पहुंच सके। अथवा फोरेट 10 जी की 10 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 50 कि.ग्रा. रेत में मिलाकर भुरकाव कर हल्की सिचाई करें।

प्रमुख रोग

बैंगनी धब्बा: बैंगनी धब्बा रोग (पर्पिल ब्लाच) इस रोग के प्रभाव से प्रारम्भ में पत्तियों तथा उर्ध्व तने पर सफेद एवं अंदर की तरफ धब्बे बनते है, जिससे तना एवं पत्ती कमजोर होकर गिर जाती है। फरवरी एवं अप्रैल में इसका प्रकोप ज्यादा होता है।

रोकथाम

- मैंकोजेब+कार्बेंडाज़िम 2.5 ग्राम दवा के सममिश्रण से प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार कर बुआई करें।
- मेंकोज़ेब 75 प्रतिशत डब्ल्लू. पी. 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या प्रोपिकोनाज़ोल 25 प्रतिशत ई.सी. 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से 10 से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

झुलसा रोग

रोग से प्रकोप की स्थिति में पत्तियों की उर्ध्व स्तम्भ पर हल्के नारंगी रंग के धब्बे बनते हैं।

रोकथाम

मेंकोज़ेब 75 प्रतिशत डब्ल्लू. पी. 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी या प्रोपिकोनाज़ोल 25 प्रतिशत ई.सी. 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से 10 से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

प्याज की अच्छी उपज हेतु घुलनशील उर्वरकों का पर्णीय छिड़काव

यदि वानस्पतिक वृद्धि कम हो तो 19:19:19 पानी मे घुलनशील उर्वरक 5 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोलकर रोपाई के 15, 30 एवं 45 दिन बाद छिडकाव करें। इसके बाद 13:0:45 पानी मे घुलनशील उर्वरक 5 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोलकर रोपाई के 60, 75 एवं 90 दिन बाद छिड़काव करें। अच्छी उपज व गुणवत्ता के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों का मिश्रण 1 ग्राम प्रति लीटर पानी मे घोलकर रोपाई के 45 और 60 दिन बाद छिड़काव करें।

शून्य जुताई तकनीक द्वारा गेहूं उत्पादन बढ़ायें

जीरो टिलेज क्यों और कैसे: अनुसंधान से यह पाया गया है कि अगर गेहूं की बुवाई 25 नवंबर के बाद करते हैं तो प्रतिदिन 25-30 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर उपज में कमी आती है। इसके साथ-साथ खेत को तैयार करने के लिए होने वाले खर्च को भी बचाया जा सकता है। अतः मशीन द्वारा समय पर बुवाई करके पैदावार में होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। बाजरा, कपास तथा धान की फसलों में अगर हो सके तो कटाई से कुछ दिन पहले या कटाई के बाद सिंचाई कर दी जाती है। फसल कटाई होते ही बची हुई नमी में तुरंत इस मशीन द्वारा सीधे तौर पर गेहूं की बुवाई कर दी जाती है। इस प्रकार खेत तैयारी में जो समय लगता है उसे सुचारु रूप से दूसरे खेती कार्यों में उपयोग किसान भाई कर सकते हैं।

जीरो टिलेज कहाँ

जहां पर फसल कटाई में या देर से पकने में ज्यादा समय लगता है तथा गेहूं की बुवाई 25 नवंबर के बाद हो पाती है वहां पर इस मशीन का उपयोग अति लाभदायक सिद्ध हुआ है। इस मशीन का उपयोग अति चिकनी मिट्टी को छोड़कर सभी प्रकार की मिट्टी में सुचारु रूप से किया जा सकता है।

जीरो टिलेज तकनीक के लाभ निम्नलिखित है

- खेत की तैयारी पर होने वाले खर्च को 1200-1500 रुपए प्रति एकड़ तक बचाया जा सकता है।
- इस मशीन द्वारा एक एकड़ को एक घंटे में बोया जा सकता है जबकि सामान्य अवस्था में 5-6 घंटे लगते हैं।
- इस मशीन द्वारा समय की बचत की जा सकती है जिसका सदुपयोग किसान दूसरे खेती कार्यों में कर सकते हैं।
- इस विधि द्वारा बीज तथा खाद समुचित गहराई तथा दूरी पर बोया जा सकता है तथा बीज की मात्रा भी उचित रहती है।
- खरपतवार के जमाव में 40-50 प्रतिशत तक कमी होती है क्योंकि जुताई न होने पर बीज गहराई में ही दबा रहता है।
- इस मशीन के उपयोग से बुआई के पश्चात वर्षा होने पर पपड़ी नहीं जमती ।
- मजदूरी तथा डीजल में 25-30 प्रतिशत तक बचत की जा सकती है जिससे पर्यावरण शुद्ध रहता है।
- पहली सिंचाई के समय पानी को10-20 प्रतिशत तक बचाया जा सकता है।
- इस तकनीक का उपयोग करने से अलग-अलग शोध से पाया गया है कि फसल उत्पादन में10-15 प्रतिशत तक बढ़त होती है।
- इस तकनीकी द्वारा बिजाई करने में भूमि में नमी बनी रहती है जिससे फसल में हवा नहीं निकलती तथा पकाव अच्छा होता है।
- इस मशीन द्वारा गेहूं बिजाई करके सालों-साल किसानभाई अच्छी पैदावर ले सकता है ।
- इस मशीन का उपयोग ग्रीष्मकालीन मूंग बिजाई में भी किसान सरसों व गेहूं के खेत में कर सकता है।

जीरो टिलेज संबंधी कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- बाजरा, कपास तथा धान कटाई करते समय यह ध्यान रखें कि डंठल/फानें ज्यादा बड़े ना हो।
- अगेती बिजाई करने से फसल उत्पादन में वृद्धि होती है ।
- मशीन की देख रेख समय समय पर करते रहें तथा उचित स्थान पर रखें।
- इस मशीन को चलाने के लिए प्रशिक्षण लेना जरुरी है ।
- बिजाई करते समय उचित गहराई करने हेतु मशीन के दोनों तरफ पहिये से स्क्रू बोल्ट की सहायता से ऊपर नीचे रख सकते हैं।
- मशीन के दोनों तरफ ड्राविंग व्हील होते हैं इससे आवश्यक्तानुसार दिए गए ग्रुप की सहायता से व्यवस्थित कर सकते हैं।
- मशीन चलते समय पीछे दिए गए लकड़ी के फ्ट्टे पर बैठकर एक व्यक्ति को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए की बीज या खाद सही निकल रहे हैं या नहीं, कोई नलकी बंद तो नहीं है।
- इस मशीन द्वारा किसानभाईयों से सुझाव दिया जाता है कि गेहूं बीज की मात्रा 50 कि. ग्रा. प्रति एकड़ प्रयोग करें ।

फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 5,189 करोड़ हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का एकीकृत घाटा वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में बढ़कर 5,189 करोड़ रुपये हो गया। कारोबार खुफिया मंच टॉफलर द्वारा प्राप्त आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्तीय स्थिति पर टिप्पणी के लिए फ्लिपकार्ट को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। इससे पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा 4,248.3 करोड़ रुपये था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से एकीकृत आय में 17.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 70,541.9 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,787.3 करोड़ रुपये हो गई। टॉफलर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी का कुल व्यय 17.4 प्रतिशत बढ़कर 88,121.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की वित्तीय लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 57 प्रतिशत बढ़कर लगभग 454 करोड़ रुपये हो गई।

सुक्खू ने वार्षिक आवंटन में पहाड़ी राज्यों के लिए अलग मानदंड बनाने की मांग की

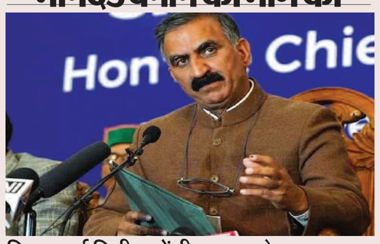

शिमलानई दिल्ली, एजेंसी। सुक्खू ने सुझाव दिया कि इस प्रक्रिया में वन क्षेत्र, हरित पहल और पारिस्थितिक योगदान जैसे मानदंडों पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह बात राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के उप प्रबंध निदेशक गोवर्धन सिंह रावत से शुक्रवार को उनके आधिकारिक आवास, ओक ओवर में मुलाकात के दौरान कही। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार और नाबार्ड मुख्यालय के बीच समन्वय को मजबूत करने में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने नाबार्ड से ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के अंतर्गत भूमि आधारित सौर परियोजनाओं को वित्त पोषण के लिए पात्र मानने का आग्रह भी किया।

ग्रोक से 500 लोगों को निकालेंगे एलन मस्क

● इक्विटी में शुद्ध निकासी अगस्त में बढ़ी ● विनिर्माताओं की ओर से डीलरों को दी जाने वाली छूट पर जीएसटी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
एलन मस्क की एक्सएआई ने डाटा का विश्लेषण करने वाली टीम के 500 सदस्यों को कंपनी से निकालने का फैसला किया है। ये कर्मचारी ग्रोक चैटबोट के विकास में मददगार थे। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने शुक्रवार रात कर्मचारियों को ईमेल के जरिये सूचित किया कि वह एआई ट्यूटर्स की टीम को छोटा करने पर काम कर रही है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ से अगस्त में भारत के घरेलू वित्तीय स्थिति पर असर पड़ा। इससे शेयर बाजारों को सबसे अधिक झटका लगा है। क्रेडिट रेटिंग इन्फॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लि. (क्रिसिल) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत का वित्तीय स्थिति सूचकांक (एफसीआई) जुलाई के माइनस 0.4 से घटकर अगस्त में माइनस 0.5 हो गया है। एफसीआई एक मासिक संकेतक है जो मुद्रा, ऋण, इक्विटी और विदेशी मुद्रा बाजारों के मापदंडों को जोड़ता है। कम एफसीआई यह बताता है कि वित्तीय स्थितियां पिछले महीने की तुलना में ज्यादा

कड़ी थी। वहीं नकारात्मक मूल्य का अर्थ है कि यह दीर्घावधि औसत (अप्रैल 2010 से मापा गया) से ज्यादा कड़ी थी। इस मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद भारत का एफसीआई मानक विचलन के बेहतर दायरे में बना हुआ है।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से शुद्ध निकासी लगातार तीसरे महीने जारी रही। एफपीआई की लगातार निकासी और टैरिफ के प्रभाव को लेकर चिंता के कारण इक्विटी बाजारों के प्रदर्शन में गिरावट आई और बेंचमार्क सूचकांकों में महीने-दर-महीने आधार पर 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एफपीआई की निकासी से रुपये पर भी दबाव बढ़ा है, जो अगस्त में डॉलर के मुकाबले 87.8 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर पहुंच गया है और मासिक आधार पर 1.6 प्रतिशत कमजोर हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, इक्विटी में शुद्ध निकासी बढ़कर 4 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई (जुलाई में 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में), जो जनवरी के बाद से सबसे अधिक है। एफपीआई ने ऋण बाजार में 0.9 अरब डॉलर की तुलना में 1.5 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया, जो पांच महीने का उच्च स्तर है। यह अमेरिकी यील्ड में नरमी और कच्चे तेल की कीमतों के कारण हुआ। अगस्त में 10 साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में 13 आधार अंक (बीपीएस) की गिरावट आई और यह औसतन 4.26 प्रतिशत पर आ गया। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि विनिर्माताओं की ओर से डीलरों को केवल प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए दी जाने वाली बिक्री के बाद की छूट वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अधीन नहीं होगी। हालांकि, ऐसी छूट पर जीएसटी देय होगा यदि निर्माता और डीलर ने एक समझौता किया है जिसके तहत डीलर निर्माता की ओर से सह-ब्रांडिंग, विज्ञापन अभियान या बिक्री अभियान जैसी प्रचार गतिविधियां संचालित करता है। जीएसटी के अंतर्गत सेकंडरी (द्वितीयक) या बिक्री-पश्चात छूट के संबंध में परिपत्र जारी करते हुए सीबीआईसी ने कहा कि उसे इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगने वाले आवेदन मिले हैं। जब डीलरों को बिक्री के बाद ऐसी छूट मिलती है तो वे बिक्री बढ़ाने के लिए प्रचार गतिविधियों में संलग्न हो सकते हैं।

त्रिपुराः धोखाधड़ी में यूको बैंक की कैशियर गिरफ्तार

त्रिपुरा में यूको बैंक की महिला कैशियर को 16 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने जाली चेक के जरिए अगरतला नगर निगम के खाते से यह रकम निकाली थी। उप-मंडल पुलिस अधिकारी डीपी रॉय ने शनिवार को बताया कि आरोपी की पहचान असम के नागांव की रहने वाली रामायणी श्रीमयी के तौर पर की गई।

भारत-ईयू के बीच हुई 13वें दौर की बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ ने 13वें दौर की वार्ता की। उन्होंने कहा कि हम दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसरों को खोलने के लिए जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही संतुलित और पारस्परिक लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ईयू के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हेंसन व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए भारत आए थे। दोनों पक्षों की आधिकारिक टीमों ने 13वें दौर की वार्ता की।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता के 13वें दौर में आपकी मेजबानी करना हमारे लिए खुशी की बात थी। हम दोनों पक्षों के लिए व्यापक अवसरों को खोलने के लिए जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आपकी यात्रा के लिए धन्यवाद। हमारी निरंतर बातचीत की प्रतीक्षा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि इस प्रक्रिया के जरिए अपार संभावनाएं खुलेंगी। इससे व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और गहन आर्थिक भागीदारी के अवसर खुलेंगे। गोयल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ऑटोमोटिव कंपोनेंट क्षेत्र जैसे उद्योग को भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी के तहत तैयार किए जा रहे प्रावधान आकर्षक और संभावनाओं से भरपूर लगेंगे। उन्होंने कहा, यह समझौता भारतीय निर्माताओं के लिए अपने यूरोपीय समकक्षों और दुनिया के अन्य हिस्सों की कंपनियों के साथ साझेदारी करने के नए रास्ते खोलेगा, जिससे संयुक्त उद्यमों, प्रौद्योगिकी साझेदारी और सहयोगात्मक नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि लागत प्रतिस्पर्धा के मामले में भारत महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है।

आईएमएफ की पूर्व अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने बताई वजह

डॉलर का प्रभुत्व लंबे समय तक बना रहेगा

● दुनिया में किसी भी मुद्रा की अहमियत कैसे तय होती है? ● इंटीग्रेटेड पॉलिसी फ्रेमवर्क बेहद अहम

नई दिल्ली, एजेंसी।
अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि निकट भविष्य में डॉलर के प्रभुत्व में बदलाव की संभावना कम है। उन्होंन कहा कि दुनिया में किसी भी मुद्रा की अहमियत केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई देश कितना वैश्विक व्यापार करता है। आइए जानते हैं कि गीता ने इनका क्या कारण बताया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री और उप प्रबंद निदेशक गीता गोपीनाथ का मानना है कि निकट भविष्य में डॉलर के प्रभुत्व में बदलाव की संभावना कम है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में वापसी करने वाली गोपीनाथ ने अमेरिकी संस्थानों की मजबूती और वित्तीय बाजारों की गहराई को डॉलर की ताकत का प्रमुख आधार बताया।

आईएमएफ में कार्यकाल के दौरान उन्होंने डॉलर प्रभुत्व पर लगातार शोध किया। आईएमएफ पॉडकास्ट के एक हालिया एपिसोड में जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस विषय में खास दिलचस्पी क्यों रही, तो उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में असमानता और शक्ति का असंतुलन ही उनकी रुचि का कारण रहा। गोपीनाथ ने कहा कि दुनिया में किसी भी मुद्रा की अहमियत केवल इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई देश कितना वैश्विक व्यापार करता है। हालांकि वास्तविकता इससे कोसों दूर है। यह सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाओं तक सीमित नहीं है कि वे अपनी मुद्राओं का उपयोग कम कर पाती हैं, बल्कि कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं भी अपने वैश्विक व्यापार हिस्से के मुकाबले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर नहीं आतीं। उनके मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों और संस्थागत मजबूती जैसे कारक ही असल में किसी मुद्रा की वैश्विक प्रभुत्व की स्थिति तय करते हैं।

डॉलर लंबे समय तक अपना प्रभुत्व बनाए रखेगा

डॉलर प्रभुत्व पर सवाल के जवाब में गोपीनाथ ने साफ कहा कि फिलहाल मुझे इसमें कोई बड़े बदलाव नजर नहीं आते। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में डॉलर के प्रभुत्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण है इसकी संस्थाओं की मजबूती, इसके वित्तीय बाजारों की गहराई और तरलता, व देश में कानून और व्यवस्था। इसलिए ये सभी विशेषताएं डॉलर के प्रभुत्व के लिए पूरी तरह से सहायक रही हैं, और जब तक ये बनी रहेंगी, डॉलर लंबे समय तक अपनी स्थिति बनाए रखेगा।
गीता ने 2018 में आईएमएफ में पदभार संभाला था : गीता गोपीनाथ ने 2018 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय से अवकाश लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य अर्थशास्त्री का पदभार संभाला था। महामारी और अब तक के सबसे जटिल भू-राजनीतिक रूप से उत्पन्न आर्थिक संकटों से निपटने के बाद, उन्हें संस्थान का प्रथम उप-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। गीता ने आगे कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर की बड़ी भूमिका को डॉलर प्रभुत्व के रूप में संदर्भित किया जाता है। उनका मानना है कि इस समय में डॉलर में विषमता और शक्ति का महत्वपूर्ण प्रतिबिंब है। गोपीनाथ ने बताया कि इस क्षेत्र में उन्होंने इंटीग्रेटेड पॉलिसी फ्रेमवर्क के तहत काम किया है।

ट्रंप ने नाटो देशों से चीन पर 50-100 प्रतिशत शुल्क लगाने को कहा

ई दिल्ली, एजेंसी। चीन का रूस पर मजबूत ायंत्रण और पकड़ है, और ये शक्तिशाली ुल्क उस पकड़ को तोड़ देंगे। ट्रंप ने यह भी ्हा कि यूक्रेन युद्ध उनका संघर्ष नहीं है और ागर वह राष्ट्रपति होते तो यह संघर्ष कभी शुरू । नहीं होता।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार ो कहा कि नाटो देशों को यूक्रेन संघर्ष खत्म ्रने में मदद के लिए चीन पर 50 से 100 तिशत शुल्क लगाना चाहिए और रूस से तेल ारीदना बंद कर देना चाहिए। इससे एक दिन हले अमेरिका ने जी-7 देशों से रूस से तेल ारीदने वाले देशों पर शुल्क लगाने का अनुरोध ्या था। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि ह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार , बर्शते सभी नाटो देश सहमत हो जाएं और सा ही करना शुरू कर दें तथा मास्को से तेल खरीदना बंद कर दें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जीत के लिए नाटो की प्रतिबद्धता 100 प्रतिशत से बहुत कम रही है, और कुछ लोगों द्वारा रूसी तेल की खरीद चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा, यह रूस के साथ आपकी बातचीत की स्थिति और सौदेबाजी की शक्ति को बहुत कमजोर करता है। ट्रंप ने कहा कि जब नाटो देश सहमत होंगे, तो वह आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने से इस घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध को खत्म करने में बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, चीन का रूस पर मजबूत नियंत्रण और पकड़ है, और ये शक्तिशाली शुल्क उस पकड़ को तोड़ देंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध उनका संघर्ष नहीं है और अगर वह राष्ट्रपति होते तो यह संघर्ष कभी शुरू ही नहीं होता।

जीएसटी सुधार से 2026 में खुदरा महंगाई 3.1 फीसदी पर रहने का अनुमान

● बीओबी की रिपोर्ट में दावा ● बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है

नई दिल्ली, एजेंसी।
बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी सुधार से में महंगाई दर में और नरमी देखी जा सकती है। अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन सीपीआई महंगाई 3.1 पर पर स्थिर या इससे और भी कम रहेगी। अगस्त 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर में राहत देखने को मिली है।

जीएसटी सुधार से आने वाले दिनों में रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें कम होनी शुरू हो सकती है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समग्र मुद्रास्फीति (सीपीआई) लगभग 3.1 प्रतिशत पर स्थिर

या इससे और भी कम रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में महंगाई दर में और नरमी देखी जा सकती है। सरकार द्वारा अप्रत्यक्ष करों में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक धीरे-धीरे पहुंचेगा, जिससे महंगाई पर दबाव कम हो सकता है। अनुमान जताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में औसतन सीपीआई महंगाई 3.1 प्रतिशत पर रहेगी, हालांकि इसमें गिरावट का जोखिम बना हुआ है।

इसमें कहा गया है कि अगस्त 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर में राहत देखने को मिली है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार गिरावट की वजह से खुदरा महंगाई अगस्त में घटकर सालाना आधार पर 2.1प्रतिशत रही। पिछले वर्ष अगस्त 2024 में यह दर 3.7प्रतिशत दर्ज की गई थी। अगस्त 2025 में खाद्य महंगाई के मोर्चे पर राहत का सिलसिला जारी रहा। ताजा आंकड़ों के अनुसार सब्जियों, फलों, मांस-मछली और अंडों की कीमतों में बड़ी नरमी देखने को मिली है।

हॉस्पिटल्स और इंश्योरेंस कंपनियों में फिर टकराव

अब इस बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के कैशलेस पर संकट

ई दिल्ली, एजेंसी।
ानरल इंश्योरेंस काउंसिल ने आज स्टार हेल्थ एंड एलाइड ्श्योरेंस को पूरी तरह से समर्थन देने की घोषणा की है।

यह कदम एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया ो एकतरफा और अनुचित रूप से कैशलेस सर्विस निलंबित ्रने की धमकी के विरोध में उठाया गया है।

जीआईसी ने अपने बयान में कहा कि एएचपीआई का यह ़दम न सिर्फ पॉलिसीधारकों के हितों को नुकसान पहुंचाता , बल्कि पूरे हेल्थ इंश्योरेंस सिस्टम में लोगों के भरोसे को भी ्मजोर करता है। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने बताया कि सने 2 सितंबर 2025 को एएचपीआई के साथ एक बैठक य की थी ताकि मुद्दों का सकारात्मक और रचनात्मक ामाधान निकाला जा सके। लेकिन एएचपीआई ने इस बैठक ो बिना कोई तारीख दिए अनिश्चित समय के लिए टाल ़या। इसके बावजूद एकतरफा कार्रवाई कर दी, जो सहयोग ो बजाय टकराव का संकेत देती है। काउंसिल ने यह भी ्पष्ट किया कि टैरिफ नेगोशिएशन और बिलिंग प्रथाएं स्वास्थ्य ीमा और अस्पतालों के बीच आम व्यावसायिक प्रक्रियाएं हैं, ौर इन्हें मरीजों की देखभाल से जोड़कर कभी भी दबाव का ्थियार नहीं बनाना चाहिए। स्टार हेल्थ के पॉलिसीधारकों को

आश्वस्त करते हुए काउंसिल ने कहा कि उन्हें कैशलेस हेल्थकेयर सेवाएं बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी और उनका बीमा कवरेज पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रकार का व्यवधान खासकर आपातकालीन परिस्थितियों में परिवारों पर आर्थिक बोझ डालता है और मरीज की सेहत को जोखिम में डालता है। जीआईसी ने बताया कि हेल्थ इंश्योरेंस इंडस्ट्री ने हमेशा प्रयास किया है कि देशभर में लोगों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज मिल सके। नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज जैसे पहल किए गए हैं, जो पूरे देश में मरीजों को सीमलेस अनुभव प्रदान करते हैं। हाल ही में हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर तस्ज्ञ हटाने का निर्णय भी लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

बंपर कमाई वाला क्रिकेट मैच

टिकट से एड तक अरबों की इनकम के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत-पाकिस्तान के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए आज (14 सितंबर 2025) का दिन काफी अहम है, क्योंकि ये दोनों टीमें एशिया कप में भिड़ने जा रही है। इस मैच को देखने के लिए जहां करोड़ों क्रिकेट फैन्स टीवी और मोबाइल पर लगे रहेंगे, वहीं, हजारों लोग दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच दोनों के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा स्पोर्ट इवेंट है और इससे बीसीसीआई, पीसीबी से लेकर आईसीसी को तगड़ी कमाई होती है। चूंकि, भारत-पाक के बीच होने वाले मैच को टीवी पर करोड़ों दर्शक देखते हैं इसलिए विज्ञापन से बड़ा रेवेन्यू आता है। इंडिया-पाकिस्तान में 14 सितंबर को होने जा रहे मैच से भी बड़ी कमाई होने की उम्मीद है। लेकिन, क्या आप जानते हैं इन दोनों देशों के बीच होने वाले मैच में टिकटों से कितनी कमाई होती है, टीवी विज्ञापन

की क्या फीस है? ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, 14 सितंबर को एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान टीवी पर 10 सेकंड के विज्ञापन के लिए कंपनियों को 16 लाख रुपये तक खर्च कर रही हैं। खास बात है कि एड की इस फीस के साथ यह मैच विश्व कप के बाद क्रिकेट जगत में सबसे महंगे विज्ञापनों में से एक बन जाएगा। दरअसल, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले ग्रुप ए के इस मुकाबले के लिए कई ब्रांड्स के बीच रिकॉर्ड डिमांड है, दरअसल सभी कंपनियां इस साल के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले खेल आयोजन का लाभ उठाने के लिए तैयार हैं। इस मैच के टेलीविजन और डिजिटल राइट्स रखने वाली सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने एड के लिए रेट कार्ड शेयर किए। इस रेट कार्ड के अनुसार, भारत के मैचों से जुड़ने की लागत नॉन-इंडियन मैचों की तुलना में काफ़ी ज़्यादा रखी गई है।

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच खेला जा रहा है

एशिया कप टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान के बीच आज 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मैच खेला जा रहा है। इसके लिए टिकट पैकेजों की कीमत क्रमशः 11,390 रुपये और 12,589 रुपये है। इससे पहले 23 फरवरी को दुबई में ही दोनों देशों के बीच खेले गए क्रिकेट मैच में टिकटों की बिक्री से अनुमानित 45.6 मिलियन दिरहम (1,09,49,77,296 रुपये) की इनमक हुई, यानी एक मैच से टिकट के नाम पर 100 करोड़ रुपये की कमाई हुई।

ग्रांडस्विस 2025

दिव्या देशमुख नें गुकेश से खेला ड्रा , निहाल की सयुंक्त बढ़त क़ायम

समरकंद,उज्बेकिस्तान, एजेंसी। फीडे ग्रांड स्विस 2025 के आठवें राउंड में ख़राब लय से जूझ रहे भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश लगातार चौंथे राउंड में जीटी नहीं दर्ज कर पाये हालांकि उनकी लगातार तीन हार का क्रम अंततः टूट गया और वर्तमान विश्व कैप महिला विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें गुकेश को ड्रा पर रोकते हुए नया इतिहास रच दिया , इसके साथ ही मौजूदा विश्व चैंपियन को ड्रा पर रोकने वाली दिव्या इतिहास की पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है । दिव्या नें काले मोहरो से गुकेश की हर चाल का माकूल जबाब दिया , सिसिलियन ओपनिंग में दिव्या नें 103 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में कमाल की क्षमता का परिचय दिया । इस ड्रा के कारण गुकेश पिछ्ले दो सालों में पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस से बाहर होने के करीब पहुँच गए है । वहीं भारत के निहाल सरीन नें आज पहले बोर्ड पर जर्मनी के मैटियास ब्लूबम से ड्रा खेला और छह अंकों के साथ अपनी एकल बढ़त को क़ायम रखा है। वहीं जर्मनी के विंसनेट केमर से भारत के वर्तमान ग्रैंड स्विस चैंपियन विदित गुजराती को हार का सामना करना पड़ा जबकि बाजी ड्रा के करीब थी । अर्जुन एरिगैसी नें आर्मेनिया के सर्गेशियन शांत से और आर प्रज्ञानंदा नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से ड्रा खेला , वहीं महिला वर्ग में सबसे आगे चल रही आर भारत की आर वैशाली को कजाकिस्तान के बिबिसारा असुबयेवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा है ।

पाकिस्तानी कोच हेसन ने नवाज को वर्ल्ड बेस्ट स्पिनर बताया:भारतीय कोच का तंज- अपने खिलाड़ी को जहां चाहें, वहां रैंक करें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा बयान दिया। हेसन ने अपनी टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर करार दे दिया। हालांकि नवाज इस समय टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं। अब इस पर भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे का रिएक्शन आया है। डेशकाटे ने हेसन पर तंज कसते हुए कहा, हर किसी को अपने खिलाड़ियों को जहां चाहे रैंक करने का अधिकार है। माइक हेसन का दावा 11 सितंबर को माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है हमारी टीम की खूबसूरती यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं। हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के बेस्ट स्पिन बॉलर हैं, और पिछ्ले छह महीनों से टीम में वापसी के बाद वह इसी तरह रैंक किए गए हैं। भारत के कोच का संतुलित जवाब 13 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे से भी हेसन के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अगर कुछ है तो मुझे नहीं लगता कि विकेट ने उतना ग्रिप किया है जितना हमने सोचा था, और निश्चित रूप से उतना नहीं जितना इस साल की शुरुआत में किया था। लेकिन टी-20 क्रिकेट में स्पिन बहुत अहम हो गया है और दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं।हमें पता है कि वरुण, अक्षर और कुलदीप के बारे में हम कैसा महसूस करते हैं, इसलिए हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वे अपने खिलाड़ियों को जहां चाहें वहां रैंक कर सकते हैं।

भारत ने विश्व ग्रुप 1 में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

बिएल, एजेंसी। भारत ने शनिवार को स्विस टेनिस एरीना में विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर डेविस कप में इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने 1993 के बाद पहली बार यूरोप में किसी यूरोपीय देश पर जीत दर्ज की। शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्विट्जरलैंड के बिएल स्थित स्विस टेनिस एरीना में हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप 1 चरण में भारत की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही, मौजूदा भारतीय टीम ने लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की टीम के उस प्रदर्शन को दोहराया, जिसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। भारत अब विश्व ग्रुप क्वालीफायर में पहुंच गया है, लेकिन इस परिणाम के साथ स्विट्जरलैंड डेविस कप 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने एक और इतिहास रच दिया क्योंकि 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से वह विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है।

भारत तीन मौकों 1966, 1974 और 1987 में उपविजेता रहा है। दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को शुरुआती मैच में उच्च रैंकिंग वाले जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। नागल ने मेहमान टीम के लिए एक प्रभावशाली दिन का समापन किया क्योंकि उन्होंने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, मेजबान टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए, उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और स्कोर 1-2 कर दिया।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट के 10वें गेम में सर्विस टूटने के बाद वे अगला सेट हार गए। तीसरे सेट में एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली ने तीसरे गेम में स्विस जोड़ी की सर्विस तोड़ी, लेकिन छठे और 12वें गेम में सर्विस गंवाकर दो घंटे 21 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

अपनी प्रतिभा दिखाने उतरेंगे 100 पेरिस पैरा ओलंपिक मेडलिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। इसमें 104 देशों के 2,200 से ज्यादा ऐथलीट्स 186 पदक इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा। चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले, कड़ी टक्कर और यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे, क्योंकि पेरिस पैरालंपिक में 308 पदक जीतने वाले कुल 100 पदक विजेता, जिनमें 112 गोल्ड, 96 सिल्वर और 100 ब्रॉन्ज पदक विजेता शामिल हैं, सबसे भव्य पैरा एथलेटिक्स मंच पर अपनी क्षमता का परीक्षण करने के लिए वापस आएंगे।

यह पहला मौका है जब भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी कर रहा है। इस बार प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी बड़ा होगा, जिसमें कुल 186 पदक इवेंट होंगे, जो पिछ्ली बार कोबे में हुए आयोजन से 15 अधिक हैं। इनमें 101 इवेंट पुरुषों के लिए, 84 महिलाओं के लिए और 1 मिश्रित इवेंट होगा। सबसे आगे हैं जर्मनी के मार्कस रेहम, जो पुरुषों की लंबी कूद टी64 में चार बार के पैरा ओलंपिक चैंपियन और सात बार के विश्व चैंपियन हैं। उन्हें ब्लेड जम्पर कहा जाता है। रेहम के नाम ऐसा विश्व रिकॉर्ड है, जो इस सदी के सभी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं की छलांग से भी आगे है।

भारत का गर्व, सुमित अंतिल, जो दो बार के पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ64 श्रेणी में मौजूदा वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियन हैं। वह एक बार फिर घरेलू दर्शकों को अपने शानदार प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रूनर, जिन्होंने पेरिस पैरा ओलंपिक में छह इवेंट्स में पाँच स्वर्ण और एक रजत जीतकर सुर्खियाँ बटोरीं, नई दिल्ली में पाँच रेसों में हिस्सा लेंगी और अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने का लक्ष्य रखेंगी।

पैरा ओलंपियन प्रवीन कुमार, जो पुरुषों की हाई जंप टी64 में खेलते हैं, अपनी पदक सूची को पूरा करने के लिए भारत में होने वाली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने को उत्सुक हैं। अन्य सितारों में शामिल हैं ब्राज़ील के पेट्रुसियो फरेरा, जिन्हें दुनिया का सबसे तेज़ पैरा ओलंपियन माना जाता है। वे पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में अपना लगातार पाँचवाँ विश्व खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। भारत की ध्वजवाहक प्रीति पाल, जिन्होंने पेरिस 2024 में दो कांस्य पदक जीते और कोबे में भी शानदार प्रदर्शन किया, इस बार भी सबका ध्यान आकर्षित करेंगी। ऑस्ट्रेलिया की वेनेसा लो, जिन्होंने पेरिस में लंबी कूद टी63 में स्वर्ण पदक जीता था, अब एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के परिचित मैदान पर उतरेंगी और श्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अपनी अगुवाई जारी रखेंगी।सफिया जेजल, जेसी ज़ेस्सेउ और नसीमा सैफी जैसे अन्य ओलंपिक पदक विजेता भी इस आयोजन में सितारों की चमक बढ़ाएँगे। मौजूदा दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा, यह चैंपियनशिप नए उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी मंच देगी, जो अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हैं। यही कारण है कि यह आयोजन दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए बिल्कुल भी मिस न करने वाला होगा। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप भारतीय खेल इतिहास में एक माइलस्टोन साबित होगी, जहाँ पैरा खिलाड़ियों के जज़्बे, कौशल और हिम्मत का जश्न जोशीले घरेलू दर्शकों के सामने मनाया जाएगा।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से बाहर, अधिक वजन से छिना मौका

जाग्रेब, एजेंसी। पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किलो वर्ग के मुकाबले से पहले हुए वजन जांच में अमन का वजन 1.7 किलो अधिक पाया गया। इस वजह से उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। भारत की कुश्ती टीम को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को रविवार को जाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप से अयोग्य करार दिया गया।इसका कारण तो और भी चौंकाने वाला है।

उनका वजन तय सीमा से ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

1.7 किलो अधिक वजन निकला

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता से पहले हुए वजन मापन (वेट-इन) में 1.7 किलो ज्यादा पाया गया। भारतीय दल के एक सदस्य ने बताया, %यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पाए। जब उन्होंने वेटिंग स्केल पर खड़ा होकर वजन कराया, तो वे 1700 ग्राम अधिक पाए गए। यह वास्तव में स्वीकार्य नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि उनका वजन इतना कैसे बढ़ गया।

25 अगस्त से जाग्रेब में थे अमन

अमन 25 अगस्त को अन्य भारतीय पहलवानों के साथ एडजस्टमेंट (अक्लिमेटाइजेशन) कैंप के लिए जाग्रेब पहुंचे थे। ऐसे में उनके पास वजन बनाने के लिए पर्याप्त समय था। 22 वर्षीय अमन सेहरावत दिल्ली के मशहूर छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं। वे इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत पदक दावेदारों में से एक माने जा रहे थे।भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में तब बड़ा झटका लगा था, जब दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले उनके बढ़े हुए वजन को लेकर डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। वजन मापने के दौरान 29 वर्षीय विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया और इसी कारण उन्हें 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण, जैस्मिन लैम्बोरिया का गोल्डन पंच

नई दिल्ली, एजेंसी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 भारवर्ग) ने भारत को स्वर्णिम सफलता दिलाई है। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की बेटी का दबदबा देखा गया। फाइनल में पोलैंड की जूलिया को मात देकर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया था। पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के दस सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने 3 कांस्य जीते थे।

एशिया कप: श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया, 32 गेंद पहले जीता मुकाबला

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को हरा दिया है। श्रीलंका को जीत के लिए 140 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका ने 32 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

140 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 13 के स्कोर पर कुसाल मेंडिस का विकेट खो दिया। वह 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाथुम निसांका और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कामिल मिशारा ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद पर 95 रन की तेज साझेदारी कर मैच का पलड़ा श्रीलंका की तरफ पूरी तरह मोड़ दिया। यहां से बांग्लादेश के लिए वापसी की उम्मीद खत्म हो गई और मैच में सिर्फ औपचारिकता रह गई। निसांका 34 गेंद पर 6 चौके और 1 छक्के की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। निसांका के आउट होने के बाद श्रीलंका को कुसाल परेरा (9), दासुन शनाका (1) के रूप में दो झटके लगे, लेकिन छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान चरिथ असलांका ने 4 गेंद पर नाबाद 10 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। श्रीलंका ने 14.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 140 का लक्ष्य हासिल किया और बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। कामिल 32 गेंद पर 46 रन बनाकर नाबाद रहे।

बांग्लादेश के लिए महेदी हसन ने 2, मुस्तफिजुर रहमान और तंजिम हसन शाकिब ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले, श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम को दोनों सलामी बल्लेबाज शून्य के स्कोर पर लौट गए। तीसरा झटका 11, चौथा झटका 38 और पांचवां झटका कप्तान लिटन दास के रूप में 53 के स्कोर पर लगा।

बिना कुछ किए बॉलर को मिल गया विकेट, क्रिकेट में ऐसा अजब-गजब देखा क्या

इसे कहते हैं किस्मत!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी कुछ ऐसा हो जाता है कि उस पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही कुछ महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग मे ट्रिनबैगो नाइटराइडर्स और गुयाना अमेजन वारियर्स के बीच खेले गए मैच में हुआ। इस मैच में गुयाना की गेंदबाज मोली पेनफोल्ड को हिटविकेट के रूप में छक्ककरियर का पहला विकेट मिला। ये काफी हैरान करने वाला है। मोली को ये विकेट बल्लेबाज की गलती के कारण मिला।

दरअसल पारी का तीसरा ओवर करने आई मोली ने जेनिलिया ग्लासगो को एक तेज तर्रार गेंद डाला। जेनिलिया ने शॉट पिक करने की कोशिश की, लेकिन गेंद और बैट का कोई संपर्क नहीं हो पाया। इस दौरान उन्होंने बैट पर से अपना कंट्रोल खोल दिया। ऐसे में हुआ ये कि बैट हवा में उछल कर नीचे गिरी और वह विकेट से जा लगी। इस तरह बेल्स गिरते ही उन्हें वापस जाना पड़ा।

मोली ने मैच में लिए चार विकेट

वहीं मोली की गेंदबाजी की बात करें तो उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। मोली ने 4 ओवर के अपने स्पेल में किफायती गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 17 रन खर्च किए। मोली के अलावा करिश्मा रामहैरक, स्टेफनी टेलर और लौरा हैरिस ने भी एक-एक विकेट लिया, जिसकी मदद से गुयाना ने टीकेआर को 7 विकेट पर 120 रन के स्कोर पर रोक दिया।

गुयाना ने 7 गेंद रहते ही जीत लिया मैच

टीकेआर के खिलाफ मुकाबले में गुयाना की बल्लेबाजी में शुरुआत अच्छी नहीं रह, लेकिन स्टेफनी टेलर ने 44 गेंद में 39 रनों की पारी खेलकर टीम की जीत को सुनिश्चित कर दिया। स्टेफनी के अलावा एमी हंटर ने 31 गेंद में 27 रनों की पारी खेली। इस तरह गुयाना की टीम ने 18.5 ओवर के खेल में 125 रन बनाकर 5 विकेट से मैच को अपने नाम कर लिया।

ड्रीम गर्ल के 6 साल

वे फ़िल्में, जो नुशरत को साबित करती हैं मासी कॉमिक एंटरटेनर क्वीन

नुसरत भरुचा और आयुष्मान खुराना की फिल्म ड्रीम गर्ल को सिल्वर स्क्रीन पर आए छह साल हो चुके हैं, और इन छह सालों में बतौर नायिका नुशरत भरुचा ने खुद को बॉलीवुड की कॉमेडी क्वीन के रूप में स्थापित कर लिया है। मजेदार पंचलाइन से लेकर बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग तक, अपने हर अंदाज़ से उन्होंने यह साबित कर दिया है कि दर्शकों को हंसाने के साथ अपनी कॉमिक टाइमिंग को दुरुस्त करने के लिए किरदार में बारीकियाँ और आकर्षण तलाशने के साथ मास अपील भी बेहद जरूरी होता है। हालांकि अपने करियर की शुरुआत से ही नुसरत ने इस बात को बखूबी समझ लिया था। यकीन न हो तो उनकी पांच बेहद ज़बर्दस्त फिल्मों को ही देख लीजिए।

प्यार का पंचनामाः इस फिल्म में नुशरत ने एक आम लड़की यानी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' का किरदार निभाया था। उनके किरदार में जहां चुलबुलापन था, वहीं एक भावनात्मक गहराई भी थी। यही वजह है कि युवाओं के बीच उनका नेहा का किरदार बेहद लोकप्रिय हुआ और उनकी एक्टिंग ने फिल्म में मनोरंजन का स्तर और बढ़ा दिया।

➲**प्यार का पंचनामा 2:** अपनी पिछली फिल्म प्यार का पंचनामा के सीक्वल में नुशरत और भी दमदार अंदाज़ में लौटी थीं। इसमें उन्होंने पूरी कास्ट के साथ अपनी कॉमिक समझ का जो तालमेल बिठाया था, उससे यह फिल्म युवाओं के बीच और भी ज्यादा हिट साबित हुई थी।

➲**सोनू के टीटू की स्वीटी:** इस फिल्म ने नुशरत को मास कॉमिडी में फ्लेयर के साथ साबित किया। विशेष रूप से स्वीटी का उनका किरदार शरारती और आकर्षक होने के साथ उनसे काफी मिलता-जुलता था, जिसने दर्शकों को हंसाने के साथ कहानी से जोड़े रखा। यही वजह है कि हर फ्रेम में उनकी उपस्थिति और कार्तिक आर्यन के साथ उनका रोमांस यादगार बन गया। इस फिल्म में उन्होंने हास्य और ड्रामा का बेहतरीन संतुलन पेश किया था।

➲**ड्रीम गर्ल:** ड्रीम गर्ल में नुशरत ने कॉमिक स्टारडम को एक नई ऊँचाई पर पहुंचाया। माही के रूप में उन्होंने बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के साथ बेहतरीन एक्सप्रेशन दिया था, जो फिल्म की आत्मा है। यही वजह है कि आयुष्मान खुराना के साथ उनकी केमिस्ट्री ने ड्रीम गर्ल को साल की सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट फिल्मों में शामिल कर दिया था।

➲**उफ्फ ये सियापा:** हाल ही में रिलीज हुई अपनी इस फिल्म में भी उन्होंने अपने दर्शकों को फिर से अपनी कॉमिडी का दीवाना बना दिया है। हालांकि यह एक साइलेंट कॉमिडी फिल्म थी, जिसमें केवल हाव-भाव और शारीरिक अभिव्यक्ति से हास्य पैदा करना था। ऐसे में बिना संवाद के उनकी एक्टिंग ने एक विज़ुअल कॉमेडी की मास्टरक्लास साबित हुई और उनकी अभिनय प्रतिभा को आलोचकों ने भी काफी सराहा।

अर्जुन ने की 'राइज़ एंड फॉल' में कुब्रा सैत के दमदार प्रदर्शन की तारीफ

अपनी अलग तरह की भूमिकाओं और प्रभावशाली प्रदर्शन से पहचान बनाने वाली कुब्रा सैत अब रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। वह अशनीर ग्रोवर द्वारा होस्ट किए जा रहे शो राइज़ एंड फॉल में हिस्सा ले रही हैं।

यह शो प्रतियोगियों को कठोर चुनौतियों के माध्यम से परखता है, जो असमानता और वास्तविक जीवन में मौजूद शक्ति एवं धन के फर्क को उजागर करता है। इस शो में कुब्रा को सबसे मजबूत प्रतिभागियों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। हाल ही में एक एपिसोड में अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, मुझे लग रहा है तुम अच्छी लग रही हो। थोड़ी कुकू लेकिन समझदार लग रही हो। तुमने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। तुमने बहुत अच्छा काम किया। रियलिटी शो के अलावा, कुब्रा सैत लगातार अपनी बहुमुखी पहचान बना रही हैं। हाल ही में वह अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं और अब वह द ट्रायल के बहुप्रतीक्षित दूसरे सीज़न में 'सना' के रूप में वापसी करने वाली हैं। पहले वह सुल्तान और रेडी जैसी फिल्मों में दिखाई दे चुकी हैं, लेकिन नेटफ्लिक्स की सेक्रेड गेम्स में 'कुकू' के रूप में उनके बेहतरीन अभिनय ने उन्हें इंडस्ट्री में सबसे अलग पहचान दिलाई।

मंकी इन ए केज फिल्म को नजरअंदाज करना मुश्किलः सबा आजाद

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के स्पेशल प्रेजेंटेशंस सेक्शन में फिल्म मंकी इन ए केज को प्रदर्शित किया गया। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म में सबा आजाद ने मुख्य भूमिका निभाई। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने बात की। सबा आजाद ने बात करते हुए बताया कि उनके किरदार खुशी को निभाने के लिए उन्हें एक जटिल और नैतिक रूप से पेचीदा दुनिया में कदम रखना पड़ा। उन्होंने कहा, अभिनय का मतलब यह नहीं है कि हम उन सभी अनुभवों से गुजरना पड़े जो हमारे किरदारों ने किए हैं, बल्कि यह है कि हम उन पात्रों के साथ सहानुभूति कर सकें, चाहे वे कितने भी नैतिक रूप से उलझे हुए हों। मैंने खुशी के किरदार के साथ-साथ सहानुभूति रखने की पूरी कोशिश की। सबा ने आगे कहा कि अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहती हैं। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। दर्शक जब थिएटर से बाहर निकलते हैं तो उनके दिमाग में फिल्म की कहानी का असर होता है। यह भी ऐसी ही फिल्म है, जो जरूर चर्चा पैदा करेगी और अलग-अलग लोगों में विरोधाभासी भावनाएं जगाएगी। लोग इसे पसंद करेंगे, हो सकता है कुछ लोग इसे नापसंद भी करें, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे।

हनी सिंह ने किया खुलासा

नोरा फतेही उनके नए ट्रैक आई एम सो रिच के लिए पंजाबी में गा रही हैं

नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी नई घोषणा से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। यह ग्लोबल स्टार एक बार फिर मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह के साथ मिलकर आई एम सो रिच में अपनी आवाज़ देने के लिए रिकॉर्डिंग बूथ में कदम रख रही हैं। यह ट्रैक हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित आने वाले एलबम का हिस्सा होगा, जो इसे इस साल की सबसे रोमांचक रिलीज़ में से एक बना देता है। नोरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर रिकॉर्डिंग स्टूडियो की एक झलक शेयर की, जिसमें उन्हें हेडफोन लगाए गाने की लाइनें गुनगुनाते हुए देखा जा सकता है। स्टोरी में लिखा था – रिकॉर्डिंग आई एम सो रिच्ज लोडिंग, और इसके साथ ही सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इस उत्साह में और इज़ाफ़ा करते हुए, यो यो हनी सिंह ने खुद नोरा की स्टोरी को रीशेयर किया और अपने अंदाज़ में उनकी तारीफ की। उन्होंने एक बड़ा सरप्राइज भी दिया – नोरा इस गाने में पंजाबी में गा रही हैं।

उन्होंने लिखा वो पंजाबी में गा रही हैं दोस्तों ?? इस खुलासे ने फैंस को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया, और वे अब नोरा की पंजाबी गायकी को लेकर काफी उत्सुक हैं। यह पहली बार नहीं है जब ये दोनों कलाकार साथ आ रहे हैं – इससे पहले भी वे रिकॉर्ड तोड़ हिट 'पायल' में साथ काम कर चुके हैं। लेकिन आई एम सो रिच कुछ खास है। जहां नोरा को हमेशा उनके शानदार डांस मूव्स और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए सराहा गया है, वहीं इस बार वे एक कदम आगे बढ़कर म्यूज़िक की दुनिया में अपनी आवाज़ से भी अपनी छाप छोड़ रही हैं।

यह गाना नोरा की ग्लोबल अपील और हनी सिंह की सिग्नेचर बीट्स का जबरदस्त मेल होगा। वहीं दूसरी ओर, नोरा फतेही और और रेवान्नी का इंटरनेशनल हिट गाना- ओह मामा! तेतेमा अभी भी ग्लोबल चार्ट्स पर छाया हुआ है। साथ ही, वह बड़े पर्दे पर भी धमाल मचाने को तैयार हैं – जहां वे कांचना 4 में लीड रोल निभा रही हैं और कई आगामी प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं। आई एम सो रिच के साथ, नोरा फतेही की बहुमुखी स्टारडम और भी निखरने वाला है।

नकुल मेहता ने खुद को बताया भाग्यशाली

लोकप्रिय टीवी अभिनेता नकुल मेहता ने आज सोशल मीडिया डू यू वाना पार्टनर में अपने को-स्टार्स को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही नकुल ने अपने फैंस से एक खास गुजारिश भी की है। उन्होंने दर्शकों से शो देखने की अपील की और वादा किया कि वे उनके समय को महत्व देंगे। उन्होंने लिखा, वे इस शो में कई प्रतिभाशाली महिलाओं और पुरुषों के साथ काम करके खुद को भाग्यशाली मानते हैं। नकुल ने अपने सह-कलाकारों की तारीफ की और कहा कि उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। नकुल ने आगे लिखा, मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरे पास एक बिल्कुल नई ओरिजिनल सीरीज है, जिसका प्रीमियर आज से हो रहा है। क्या आप पार्टनर बनना चाहते हैं।

फैंस से की गुजारिश

नकुल ने फैंस से डू यू वाना पार्टनर को देखने की गुजारिश की और साथ ही लिखा, मैं आपके समय को कभी हल्के में नहीं लूंगा, लेकिन अगर आप इसे पूरा देख लेते हैं, तो मैं वादा करता हूं कि यह मुझे बहुत खुश कर देगा। अगर आपको यह पसंद आया, तो हमें बताएं। बॉबी और नकुल को।

जब फिजिक्स की क्लास में आयुष्मान ने लिखी

अपनी पहली मोहब्बत की इबारत

ताहिरा को गाने से किया था इम्प्रेस

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपने अभिनय और गायिकी से फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बना चुके हैं। उनकी पर्सनल लाइफ भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि बड़े सितारों की लव स्टोरी में उतार-चढ़ाव, झगड़े और अलगाव की बातें आती हैं, लेकिन आयुष्मान और उनकी पत्नी ताहिरा कश्यप की कहानी इन सबसे बिल्कुल अलग है। दोनों की मुलाकात ट्यूशन में हुई थी और तब से लेकर आज तक उनकी दोस्ती, प्यार और शादी की कहानी एकदम सिंपल और खूबसूरत रही है। इस रियल लाइफ रोमांस ने न सिर्फ उनकी जिंदगी को संवार दिया, बल्कि आयुष्मान के करियर को भी नई उड़ान दी। आयुष्मान खुराना का जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनका असली नाम निशांत खुराना है।

बचपन से ही उन्हें एक्टिंग और गायिकी में रुचि थी। उन्होंने चंडीगढ़ में अपनी स्कूलिंग और कॉलेज की पढ़ाई पूरी की। स्कूल के दिनों में ही उनकी मुलाकात ताहिरा कश्यप से हुई। दोनों की पहली मुलाकात 12वीं क्लास के दौरान फिजिक्स के ट्यूशन में हुई थी। दोनों का परिवार भी एक-दूसरे को जानता था, इसलिए उनकी दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होती गई। आयुष्मान ने अपने पापा के साथ मिलकर ताहिरा को हमें तुमसे प्यार कितना गाना सुनाया, जिससे ताहिरा बहुत प्रभावित हुई थीं। आयुष्मान और ताहिरा एक-दूसरे को बचपन से समझते आए हैं। दोनों ने करीब 12 साल तक एक-दूसरे को डेट किया और साल 2008 में शादी के बंधन में बंध गए। शादी के बाद उनका रिश्ता और भी मजबूत हुआ। ताहिरा खुद एक फिल्ममेकर और लेखक हैं, इसलिए दोनों को एक-दूसरे के काम और सपनों को समझने में कोई दिक्कत नहीं हुई। उनकी एक बेटी वरुष्का और एक बेटा विराजवीर है। आयुष्मान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उन्होंने एमटीवी रोडीज का दूसरा सीजन जीता और उसके बाद कई टीवी शो होस्ट किए।

इमरान की आवारापन 2 में दिख सकती हैं दिशा पटानी

इमरान हाशमी ने कुछ समय पहले 2007 में आई फिल्म आवारापन के सीक्वल की घोषणा की थी। वहीं अब एक नई रिपोर्ट के मुताबिक... इस फिल्म में एक पॉपुलर एक्ट्रेस इमरान के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि पहले पार्ट की तरह इसमें भी एक लव स्टोरी ही दिखाई जाएगी। आवारापन 2 में लीड रोल निभाने के लिए दिशा पटानी को फाइनल किया है। इस बारे में बात करते हुए फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने कहा...आवारापन की तरह, सीक्वल भी एक लव स्टोरी है, जो गैंगस्टर की दुनिया की बैकग्राउंड पर आधारित है। पहले पार्ट की भावना बरकरार है और निर्माता इसे दोगुने रोमांस और दोगुने इमोशन के साथ सीक्वल के रूप में बना रहे हैं। इस फिल्म में इमरान, शिवम पंडित की भूमिका निभाएंगे, वहीं दिशा के किरदार के बारे में जानकारी गुप्त रखी गई है। आवारापन के सीक्वल में दिशा इमरान के साथ रोमांस फरमाती हुई नजर आएंगी। ये पहला मौका होगा जब इमरान और दिशा किसी मूवी में एक साथ स्क्रीन पर दिखाई देंगे। इससे पहले 2007 में आई आवारापन में श्रेया सरन और मृणालिनी शर्मा ने अहम भूमिकाओं को अदा किया था।

लक्ष्मी मांचू ने ऑनलाइन सट्टेबाजी एप विवाद पर तोड़ी चुप्पी

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उस समय सुर्खियों में आ गई थीं, जब उन्हें ईडी द्वारा समन भेजा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार इनपर कथित तौर पर अवैध तरीके से पैसा जुटाने वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट देने का आरोप था। इसी के बाद से एक्ट्रेस विवादों में घिर गई थीं। अब उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी है। लक्ष्मी मांचू हाल ही में अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यह ईडी की बैठक है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि हमारी सरकार उस व्यक्ति के पीछे पड़ जाएगी। मैं सोचती हूं, भाई देखो तो इसकी शुरुआत किसने की थी। आगे उन्होंने कहा, मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि लोग कुछ भी बोलते हैं, हमने जो किया वो कुछ और है। बेचारे, वो तो सच में इस बात की जांच कर रहे हैं कि पैसा कहां जा रहा है। 100 और सेलिब्रिटीज ऐसा करते हैं। वो मुझे कोई और सेलिब्रिटी दिखाते हैं, जिसने ऐसा किया है और फिर मेरे पास आते हैं, है ना? ये तो बस एक मिनट की बात है।'

कोलकाता में हुई द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग, विवेक बोले- 600 लोग फिल्म देख रहे और 2 हजार..

तमाम विवादों के बाद शनिवार के दिन कोलकाता में एक सिनेमाघर में द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। अब इस फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म में बंगाल के दो संविधान को दिखाया गया है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। द बंगाल फाइल्स के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने एएनआई से बातचीत करते हुए फिल्म के बारे में विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी फिल्म में दिखाया है कि यहां दो संविधान हैं। आजादी से पहले भी दो संविधान थे, एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का। इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर इस सरकार ने साबित कर दिया है कि राज्य में दो संविधान हैं। यहां कोई भी भारतीय संविधान का पालन नहीं करता। लेकिन आज थिएटर में मौजूद 600 लोगों और प्रतीक्षा में मौजूद 2000 लोगों ने साबित कर दिया है कि वे इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

साभार एजेंसी